राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार, 30 जून-2021 वर्ष-4, अंक -157 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत को कोरोना से जंग में जल्द मिल सकेगा एक और हथियार

मॉडर्ना ने अपनी वैक्सीन के लिए मांगी मंजूरी

नई दिल्ली। भारत में चल रहे कोरोना रोधी टीकाकरण अभियान को अब जल्द ही एक और हथियार मिल सकता है। अमेरिकी कंपनी मॉडर्ना ने अपने कोविड टीके को भारत में लाने के लिए मंजूरी मांगी है। मॉडर्ना ने जहां टीके के लिए दवा नियामक से मंजूरी मांगी है तो वहीं सिप्ला कंपनी ने इस वैक्सीन के आयात के लिए मंजूरी पाने का आवेदन दिया है। बता दें कि फिलहाल देश में कोविशील्ड और कोवैक्सीन के इस्तेमाल को मंजूरी मिली हुई है। वहीं, रूस की वैक्सीन स्पूतनिक वी अभी कुछ निजी अस्पतालों में

उपलब्ध है। बीते महीने ही भारत सरकार ने विदेशी कंपनियों की बनाई कोविड वैक्सीन के लिए लोकल ट्रायल की अनिवार्यता को खत्म कर दिया था, जिससे वैक्सीनेशन अभियान को रफ्तार मिलने की संभावना जताई जा रही थी। बदलावों के मुताबिक, जिन वैक्सीन को डब्लूएचओ या फिर अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देशों की दवा नियामक संस्थाएं आपात इस्तेमाल की मंजूरी दे चुकी हैं, उन्हें अब भारत में भी ट्रायल की जरूरत नहीं होगी। भारत सरकार ने 31 दिसंबर 2021 तक सभी नागरिकों को वैक्सीनेट करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए हमें ज्यादा से ज्यादा टीकों की जरूरत होगी। ऐसे में अगर मॉडर्ना की वैक्सीन को मंजूरी मिलती है तो देश में टीकाकरण की प्रक्रिया और तेज हो सकती है। बता दें कि भारत में अभी तक 32.36 करोड़ लोगों को कोरोना टीका लगाया गया है। सबसे तेज टीकाकरण के मामले में भारत ने अमेरिका को भी पीछे छोड़ दिया है। भारत अब टीकाकरण के मामले में ब्रिटेन, इटली, जर्मनी और फ्रांस से आगे है।

सुप्रीम कोर्ट ने 31 जुलाई तक

'एक राष्ट्र एक राशन कार्ड' योजना को लागू करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 'एक राष्ट्र एक राशन कार्ड' योजना को लागू करने के लिए 31 जुलाई, 2021 की समय - सीमा तय की है। इस योजना के तहत प्रवासी मजदूरों को देश के किसी भी हिस्से में राशन लेने की सुविधा मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवासी मजदूरों के लाभ और कल्याण के लिए कई अन्य आदेश भी दिए हैं।

प्रवासी कामगारों के कल्याण के संबंध में जारी दिशा-निर्देश-बता दें कि आज सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना के चलते प्रवासी कामगारों के कल्याण के संबंध में केंद्र और राज्य सरकारों को कई दिशा-निर्देश जारी किए है। कोर्ट ने राज्य सरकारों को निर्देश दिया कि वे प्रवासी श्रमिकों के लिए सूखा राशन प्रदान करें और महामारी जारी रहने तक सामुदायिक रसोई जारी रखें।

कोरोना की दूसरी लहर के दौरान लगाए गए प्रतिबंधों से दोबारा बुरी तरह प्रभावित हुए प्रवासी कामगारों के लिए खाद्य सुरक्षा, नकदी हस्तांतरण और अन्य कल्याणकारी उपाय सुनिश्चित करने के केंद्र और राज्यों को निर्देश देने की मांग करने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट आज यानी मंगलवार को अपना फैसला सुनाया है।

शीर्ष अदालत ने प्रवासी कामगारों की समस्याओं और मुश्किलों पर पिछले साल मई में संज्ञान लिया था और कई निर्देश जारी किए थे। अपना आदेश सुरक्षित रखते हुए पीठ ने केंद्र और केंद्र शासित प्रदेशों से वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना लागू करने को कहा था ताकि प्रवासी कामगारों को अन्य राज्यों में अपने काम की जगहों पर राशन मिल सके

जस्टिस अशोक भूषण और जस्टिस एमआर शाह की पीठ ने 11 जून को इस संबंध में कार्यकर्ता अंजलि भारद्वाज, हर्ष मंदर और जगदीप छोकर की याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस सिलसिले में एक नई याचिका 2020 के स्वतः संज्ञान वाले लंबित मामले में दायर की गई थी।

शीर्ष अदालत ने प्रवासी कामगारों की समस्याओं और मुश्किलों पर पिछले साल मई में संज्ञान लिया था और कई निर्देश जारी किए थे। अपना आदेश सुरक्षित रखते हुए पीठ ने केंद्र और केंद्र शासित प्रदेशों से वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना लागू करने को कहा था ताकि प्रवासी कामगारों को अन्य राज्यों में अपने काम की जगहों पर राशन मिल सके

सेंट्रल विस्टा पर रोक की मांग करने वालों को सुप्रीम कोर्ट से झटका

अब भरना होगा जुर्माना

नई दिल्ली। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट पर रोक की मांग करने वाले याचिकाकर्ताओं को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। दरअसल मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट के एक लाख के जुर्माना लगाने के आदेश को बदलने से साफ इनकार कर दिया। यहां सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप ने कोरोना का हवाला देकर सभी निर्माण प्रोजेक्ट पर रोक की मांग नहीं की। आपकी मंशा पर दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला एकदम सही है।

2022 तक तैयार होना है प्रोजेक्ट

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के महत्वाकांक्षी सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट का एक हिस्सा दिसंबर 2022 तक बनकर तैयार होना है। आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में इस परियोजना का निर्माण किया जा रहा है। हालांकि, दिल्ली में लॉकडाउन लगने के बावजूद इसका काम जारी है और इसे आवश्यक सेवाओं के दायरे में रखा गया है। विपक्षी दल भी इसका कड़ा विरोध कर रहे हैं।

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट पर 971 करोड़ रुपये की लागत

गौरतलब है कि इस प्रोजेक्ट के तहत करीब 13 एकड़ जमीन पर नया संसद भवन तैयार किया जाना है। प्रोजेक्ट का एक हिस्सा अगले साल दिसंबर में बनकर तैयार हो जाएगा। इसके तहत प्रधानमंत्री आवास और उपराष्ट्रपति भवन बनाए जाएंगे। इसे पूरा करने की समयसीमा 2024 रखी गई है। बता दें कि प्रोजेक्ट पर कुल 971 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है।

प्रियंका गांधी ने किया था विरोध

हाल ही में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने भी

कोरोना संकट के बीच इस प्रोजेक्ट को लेकर सरकार पर निशाना भी साधा है था। प्रियंका ने ट्वीट किया था, जब देश के लोग ऑक्सीजन, वैक्सीन, हॉस्पिटल बेड, दवाओं की कमी से जूझ रहे हैं तब सरकार 13000 करोड़ से पीएम का नया घर बनवाने की बजाए सारे संसाधन लोगों की जान बचाने के काम में डाले तो बेहतर होगा। इस तरह के खर्चों से पब्लिक को मैसेज जाता है कि सरकार की प्राथमिकताएं किसी और दिशा में हैं।

नहीं गई है कोरोना की दूसरी लहर, देश के 80 जिलों में अब भी ज्यादा है संक्रमण दर

नई दिल्ली। देश के अधिकतर हिस्सों में कोरोना वायरस के नए मामले आना कम हुए हैं और अब हर दिन करीब 50 हजार नए केस दर्ज हो रहे हैं लेकिन कोरोना की दूसरी लहर अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। इंडियन मेडिकल काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च यानी आईसीएमआर के मुताबिक, भारत के 80 जिले ऐसे हैं जहां संक्रमण दर ऊंची है। रविवार को देश में कोरोना वायरस के 46 हजार नए मामले आए, जो कि अभी भी किसी देश की तुलना में सर्वाधिक दैनिक मामले हैं। आईसीएमआर के डायरेक्टर जनरल डॉक्टर बलराम भार्गव ने सोमवार को ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की कोरोना पर हुई 29वीं मीटिंग के दौरान कहा, 'कोविड-19 की दूसरी लहर अभी खत्म नहीं हुई है क्योंकि देश के 80 जिलों में अभी भी ऊंची संक्रमण दर है। इस स्थिति में लापरवाही नहीं की जा सकती है। वैक्सीन कोरोना के अल्फा, बीटा, गामा और डेल्टा वेरिएंट पर कारगर है।'

जिन 80 जिलों में संक्रमण दर ज्यादा है वे महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के हैं। बीते हफ्ते स्वास्थ्य मंत्रालय की प्रेस ब्रीफिंग के दौरान भी भार्गव ने इसी को लेकर चेताया था। उन्होंने कहा था, 75 जिले ऐसे हैं जहां 10 फीसदी से ज्यादा संक्रमण दर है। ऐसे 92 जिले हैं जहां संक्रमण दर 5 से 10 फीसदी के बीच में है। हालांकि, 569 जिलों में संक्रमण दर पांच

फीसदी से कम है लेकिन जिन जिलों में ज्यादा है वे ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि देश के 174 जिले ऐसे हैं जहां अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा वेरिएंट पाए गए हैं। हालांकि, उन्होंने भारत में हो रहे रिकॉर्ड टीकाकरण का भी जिक्र किया और कहा कि देश ने टीकाकरण को लेकर अमेरिका को भी पीछे छोड़ दिया है।

भारत का गलत नक्शा दिखाने पर फंसा ट्विटर

इंडिया चीफ मनीष माहेश्वरी के खिलाफ यूपी के बुलंदशहर में दर्ज हुआ केस

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को अलग देश बताने वाले नक्शे को लेकर निशाने पर आने के बाद सोमवार देर रात ट्विटर ने अपनी गलती सुधार ली। हालांकि, इस मसले पर ट्विटर की मुसीबतें नहीं थमी हैं। गलत नक्शा दिखाने को लेकर ट्विटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष माहेश्वरी पर केस दर्ज किया गया है। यह केस उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में बजरंग दल के एक नेता की शिकायत पर दर्ज किया गया है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, अपनी वेबसाइट पर भारत का गलत नक्शा दिखाने को लेकर ट्विटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष माहेश्वरी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 505 (2) और आईटी ऐक्ट की धारा 74 के तहत केस दर्ज किया गया है।

सोमवार शाम को यह मामला सामने आने के बाद सरकार की ओर से भी संकेत दिया गया था कि सोशल मीडिया कंपनी को इसका

खामियाजा भुगतना होगा। कुछ ही घंटों के भीतर ट्विटर ने वेबसाइट के कैरियर सेक्शन में दिख रहे ग्लोबल नक्शे को पूरी तरह हटा लिया।

नए आईटी नियमों को लेकर भारत सरकार के साथ जारी गतिरोध के बीच ट्विटर की वेबसाइट भारत का गलत नक्शा दिखाया गया था। इसे लेकर देशवासियों ने कड़ा विरोध जताया है और माइक्रोब्लॉगिंग मंच के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। यह पहला मौका नहीं है जब ट्विटर ने भारत के नक्शे को गलत तरीके से पेश किया है। इससे पहले उसने लेह को चीन का हिस्सा दिखाया था।

आईटी नियमों का पालन न करने के बाद माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर को भारत में मध्यस्थ के तौर पर मिली कानूनी राहत समाप्त हो गई है और ऐसे में वह उपयोगकर्ता द्वारा डाली गई किसी भी गैरकानूनी पोस्ट के लिए उत्तरदायी होगा।

इससे पहले गाजियाबाद में मुस्लिम बुजुर्ग से मारपीट और दाढ़ी काटे जाने के वायरल वीडियो को लेकर भी ट्विटर इंडिया पर केस दर्ज किया गया था। इसको लेकर भी मनीष माहेश्वरी को पुलिस कई बार तलब कर चुकी है।

वैज्ञानिकों ने वाइब्रेशन से बिजली पैदा करने वाली डिवाइस बनाई

नई दिल्ली। वैज्ञानिकों ने एक सरल, किफायती, जैव-संगत, पारदर्शी नैनोजेनेरेटर का निर्माण किया है जो ऑप्टोइलेक्ट्रोनिक्स, स्व-चालित उपकरणों तथा अन्य बायोमेडिकल ऐप्लीकेशनों में उपयोग के लिए चारों तरफ के वाइब्रेशन से बिजली पैदा कर सकता हैं। यह फैब्रिकेटेड डिवाइस हाथ से नरमी से थपथपाए जाने पर 11 एलईडी को एक साथ जला सकते हैं।

ग्लोबल वार्मिंग तथा ऊर्जा संकट के बढ़ते खतरे के कारण कम कार्बन उत्सर्जन के साथ नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोतों की खोज लगातार जारी है। नवीनीकृत ऊर्जा से जुड़े संसाधन इन समस्याओं का हल है। बिजली पैदा किए जाने की कुछ गैर पारंपरिक पद्धतियों में पाइजोइलेक्ट्रिक, थर्मोइलेक्ट्रिक तथा इलेक्ट्रोस्टैटिक तकनीक शामिल है जिसका उपयोग टच स्क्रीन, इलेक्ट्रोनिक डिस्प्ले आदि जैसे डिवाइसों में किया जाता है।

ट्राइबोइलेक्ट्रिक नैनो जेनेरेटर (टीईएनजी) बिजली पैदा करने के लिए विभिन्न रूपों में हर जगह पाए जाने वाले वाइब्रेशन के रूप में मैकेनिकल एनर्जी का उपयोग करता है। ऊर्जा संचय करने वाला टीईएनजी दो असमान सामग्रियों के तात्कालिक भौतिक संपर्क के माध्यम से इलेक्ट्रोस्टैटिक चार्ज के निर्माण के सिद्धांत पर काम करता है। यह तंत्र इलेक्ट्रॉनों को ट्राइबो परतों से बनी झिल्ली या फिल्म के बीच आगे-पीछे करता है। टीईएनजी को डिजाइन करने के लिए आज तक उपयोग किए गए तरीके महंगे थे, जैसे फोटोलिथोग्राफी और अतिरिक्त प्रक्रिया जैसे इलेक्ट्रोड तैयार करना आदि का उपयोग किया जाता था।

दुश्मनों को मिलेगा मुंहतोड़ जवाब, जल्द एंटी ड्रोन डिवाइस खरीदेगी भारत सरकार, इजरायल से डील संभव

नई दिल्ली। जम्मू में एयरफोर्स स्टेशन पर ड्रोन हमले और उसके बाद की घटनाओं के मद्देनजर सरकार सैन्य प्रतिष्ठानों में एंटी ड्रोन तकनीक की तैनाती पर जल्द फैसला ले सकती है। इजरायल के एंटी ड्रोन सिस्टम स्मश 2000 प्लस को लेकर पहले ही रक्षा बलों की प्रक्रिया चल रही है जिसे आपात रूट से अब तत्काल खरीदे जाने की संभावना है।

रक्षा सूत्रों ने कहा कि स्मश 2000 प्लस उपकरण को राइफल पर फिट किया जाता है तथा इससे

उड़ते ड्रोन को लक्ष्य कर निशाना साधा जा सकता है। नौसेना पहले ही इसकी खरीद की प्रक्रिया शुरू कर चुकी है। अब वायुसेना और सेना के लिए भी इस तकनीक को लिए जाने की संभावना है। दरअसल, ड्रोन को अक्सर राडार पर पकड़ पाना मुश्किल होता है। खासकर तब जब वह कम ऊंचाई पर उड़ान भर रहे होते हैं। ऐसे में सुरक्षाकर्मी ऐसे ड्रोन पर निगाह रख सकते हैं और नजदीक आने पर उसे नष्ट कर सकते हैं।

एके 47 या अन्य किसी भी राइफल पर इसे फिट किया जा सकता है। यह मूलत एक इलेक्ट्रो ऑप्टिकल साइट सिस्टम है। उपकरण दिन में ही नहीं रात में भी ड्रोन, बैलून या पतंग को डिटेक्ट कर सकता है तथा 120 मीटर की गति पर भी उस पर निशाना लगाने में मदद प्रदान करता है।

रक्षा सूत्रों ने बताया कि सभी सैन्य प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में तैनात बलों को यह सिस्टम उपलब्ध कराने पर पहले ही विचार चल रहा था। लेकिन अब जम्मू की घटना के बाद सरकार इस पर तुरंत निर्णय कर सकती है। रक्षा मंत्रालय ने तात्कालिक जरूरत के उपकरणों की खरीद के लिए सेनाओं के प्रमुखों को भी अलग से खरीद के अधिकार दे रखे हैं।

महाराष्ट्र समेत 12 राज्यों में सामने आए डेल्टा प्लस वैरिएंट के मामले

नई दिल्ली। कोरोना का डेल्टा प्लस वैरिएंट काफी तेजी से पैर पसार रहा है। इसने देश के कई राज्यों में दस्तक दे दी है। जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश समेत 12 राज्यों में इसके 50 से ज्यादा मामले सामने आ गए हैं। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि नए म्यूटेंट पर कोविड वैक्सीन की प्रभावशीलता के लैब टेस्ट के परिणाम 10 दिनों में सामने आएंगे। मंत्रालय ने कहा कि कोविशील्ड और कोवैक्सिन टीके कोरोना के वैरिएंट अल्फा, बीटा, गामा और डेल्टा के खिलाफ काम करते हैं, जबकि डेल्टा प्लस के खिलाफ उनकी प्रभावशीलता का परीक्षण किया जा रहा है। आइए जानते हैं डेल्टा प्लस वैरिएंट से जुड़े अपडेट्स

समाचार एजेंसी पीटीआइ के अनुसार महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने कहा कि राज्य में अब तक कोरोना वायरस के डेल्टा प्लस वैरिएंट से संक्रमित पाए गए 21 लोगों में से केवल एक ने कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक ली है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने कहा कि अगर महाराष्ट्र के पास कोरोना टीकों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद रहता है, तो वह अपनी पूरी योग्य आबादी को दो महीने में टीका लगा सकता है। पिछले शुक्रवार को महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में डेल्टा प्लस वैरिएंट के कारण पहली मौत हुई थी, जहां एक 80 वर्षीय महिला ने संक्रमण के कारण दम तोड़ दिया था।

हिमाचल प्रदेश सरकार ने सोमवार को कहा कि राज्य में डेल्टा प्लस वैरिएंट का कोई मामला सामने नहीं आया है। हालांकि, दूसरी

लहर में मृत्यु दर अधिक देखी गई है। राज्य में पॉजिटिव मामलों के बीच वैरिएंट ऑफ कंसर्न के परीक्षण के लिए कुल 1,113 सैंपल दिल्ली में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) को भेजे गए थे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि प्राप्त रिपोर्ट में, 109 नमूनों में यूके स्ट्रेन , जबकि आठ नमूनों का कप्पा स्ट्रेन और 76 नमूनों में डेल्टा स्ट्रेन पाया गया। हालांकि, डेल्टा प्लस स्ट्रेन का कोई मामला सामने नहीं आया है।

कोरोना के नए मामलों में लगातार गिरावट के बीच, गुरुग्राम स्वास्थ्य विभाग ने जिले भर में डेल्टा प्लस वैरिएंट के खिलाफ अलर्ट जारी किया है, जिसे केंद्र सरकार ने वैरिएंट ऑफ कंसर्न बताया है। हालांकि, जिले में अभी तक इस वैरिएंट का कोई भी मामला सामने नहीं आया है। फिर भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) वीरेंद्र यादव ने सभी अधिकारियों को वैरिएंट के खिलाफ सतर्क रहने के लिए पत्र लिखा है।

राज्य में अब तक कोरोना वायरस के डेल्टा प्लस वैरिएंट से संक्रमित पाए गए 21 लोगों में से केवल एक ने कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक ली है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने कहा कि अगर महाराष्ट्र के पास कोरोना टीकों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद रहता है, तो वह अपनी पूरी योग्य आबादी को दो महीने में टीका लगा सकता है। पिछले शुक्रवार को महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में डेल्टा प्लस वैरिएंट के कारण पहली मौत हुई थी, जहां एक 80 वर्षीय महिला ने संक्रमण के कारण दम तोड़ दिया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

दीपिका का कीर्तिमान

भारत की दिग्गज तीरंदाज दीपिका कुमारी ने देश का नाम रोशन कर दिया है। पेरिस में जारी तीरंदाजी वर्ल्ड कप में इतिहास रचते हुए दीपिका ने एकल, महिला रिकर्व टीम और मिश्रित युगल मुकाबलों में स्वर्ण पदक जीता है। खास यह है कि दीपिका ने रविवार को अपने पति अतानु दास के साथ मिलकर मिश्रित युगल में स्वर्ण पर निशाना लगाया। ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाली अतानु और दीपिका की यह पहली जोड़ी है। तीरंदाजी में दीपिका कुमारी के लिए यह सबसे खास मुकाम है। उनके प्रदर्शन की जितनी सराहना की जाए, कम होगी। पेरिस में जारी तीरंदाजी वर्ल्ड कप में उनसे ऐसे शानदार प्रदर्शन की उम्मीद किसी को नहीं होगी। इस शानदार जीत के बाद ओलंपिक खेलों में भारत के लिए पदक की आशा बहुत बढ़ गई है। भारत रत्न सचिन तेंदुलकर ने दीपिका कुमारी की शानदार कामयाबी की भरपूर सराहना की है, तो कोई आश्चर्य नहीं है। सचिन ने बड़े उत्साह के साथ कहा है कि पेरिस में दीपिका ने जिस तरह का खेल दिखाया है, उससे समझ आ गया है कि ओलंपिक खेलों के दौरान दुनिया को क्या देखने को मिलेगा। वाकई दीपिका कुमारी इस सफलता और मान्यता की सही मायने में हकदार हैं। रिकर्व इंडिविजुअल इवेंट में दीपिका ने रूस की एलेना ओसीपोवा को 6-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता है। इतने भारी अंतर से जीत कोई तुक्का नहीं है। महिला रिकर्व टीम स्पर्द्धा में दीपिका की अगुवाई वाले भारतीय दल ने मेक्सिको की टीम को 5-1 से हराकर स्वर्ण जीता, तो मिश्र युगल में अतानु और दीपिका ने हॉलैंड की जोड़ी जेफ वान देन बर्ग और गेबी स्च्लोएसेर को हराकर स्वर्ण अपनी झोली में डाला। तीरंदाजी की दुनिया में यह एक बड़ी घटना है, जिसकी खूब चर्चा हो रही है। दीपिका का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहले से कहीं ज्यादा चमक के साथ उभरकर आया है। अपनी इस शानदार कामयाबी पर दीपिका ने उचित ही कहा कि 'मैं ऐसा प्रदर्शन करके बहुत खुश हूं और इसे बरकरार रखना चाहती हूं। मैं इसमें और सुधार करना चाहती हूं, क्योंकि आगे आने वाले टूर्नामेंट्स मेरे लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। मैं जो सीख सकती हूं, उसे जारी रखने की पूरी कोशिश करूंगी।' दीपिका कुमारी की टिप्पणी से भी ज्यादा प्रेरक टिप्पणी उनके पति तीरंदाज अतानु दास की है, जिन्होंने कहा है, 'हम दोनों एक-दूसरे के लिए बने हैं। मुझे लगता है कि इसी कारण हमारी शादी हुई है। हम एक-दूसरे को न केवल प्रेरित करते हैं, बल्कि एक-दूसरे का उत्साह बढ़ाते हैं और एक साथ जीतते हैं।' भारतीय खेलों में जोड़ियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। कई बार पदक तक का सफर खिलाड़ियों को अकेले ही पूरा करना पड़ता है, लेकिन जब किसी मजबूत साथी का साथ मिलता है, तो कामयाबी में चार चांद लग जाते हैं। आज अगर अपने इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत दीपिका दुनिया की नंबर वन तीरंदाज बन गई हैं, तो इसमें अतानु दास की अहम भूमिका है। इस जोड़ी को ओलंपिक पदक के लिए सम्मिलित रूप से कोशिश करनी चाहिए। दीपिका से भारत की उम्मीदें बढ़ गई हैं, उन्हें दिलो-जान से अभ्यास में जुट जाना चाहिए। पेरिस में उनके प्रदर्शन से लगता है कि यह समय उनके लिए अनुकूल चल रहा है। अतः उन्हें अपनी ताजा कामयाबी से आगे बढ़कर अगली प्रतिस्पर्द्धा पर फोकस करना चाहिए।

'आज के ट्वीट

नया भारत

जिस चीन ने मौनी सिंह के हेलीकॉप्टर को अरुणाचल में उतरने नहीं दिया था, आज वहां ब्रह्मोस तैनात है ये है नया भारत

\- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

ड्रोन आतंकी हमले का उदाहरण बहुत पुराना नहीं

सियाराम पांडेय 'शांत'

जम्मू एयर फोर्स सेंटर के तकनीकी क्षेत्र में रात के वक्त पांच मिनट के अंतराल पर दो ड्रोन हमले, उससे एक इमारत की छत का क्षतिग्रस्त होना और दो जवानों का घायल होना सामान्य घटना नहीं है, यह शत्रु देश,आतंकवादी संगठनों और अलगाववादी ताकतों की ओर से भारत को प्रकारांतर से दी गई युद्धक चुनौती है। गनीमत है कि इसमें कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ लेकिन यह घटना हमें और अधिक चौकस और सचेत रहने की ओर इशारा तो करती ही है। इस घटना ने हमारी सुरक्षा तैयारियों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। पहली बात तो यह है कि जब दिल्ली में ड्रोन हमलों के खतरे से निपटने की प्रणाली है तो जम्मू-कश्मीर जैसे आतंकवाद के लिहाज से बेहद संवेदनशील राज्य में ड्रोन से निपटने की तैयारियों क्यों नहीं की गई है। इस घटना के बाद कालूचक मिलिट्री स्टेशन के करीब दो ड्रोन का रात 10 बजे और तड़के 3 बजे देखा जाना बेहद चिंताजनक है। ड्रोन दिखने के तुरंत बाद भारतीय सैनिकों ने उन्हें खदेड़ दिया। क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इन ड्रोन के स्रोत तलाशे जा रहे हैं। संभव है कि एयरफोर्स स्टेशन के बाद मिलिट्री स्टेशन पर हमले की साजिश के तहत उन्हें भेजा गया हो। आतंकवादी जिस तरह जम्मू-कश्मीर में मारे जा रहे हैं, उससे पाकिस्तान अंदर तक विचलित है। सच तो यह है कि यह घटना सेना और पुलिस की सबसे बड़ी चूक है। माना जा रहा है कि हवाई मार्ग से एयरपोर्ट से मकवाल बॉर्डर की दूरी करीब पांच किलोमीटर है। ऐसे में इस ड्रोन को सीमा पार से हैंडल किए जाने का शक जाहिर किया जा रहा है। हालांकि इसको लेकर अभीतक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। एनआईए की टीम और एनएसजी कमांडो भी अपने स्तर पर मामले को देख-समझ रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि एयरफोर्स स्टेशन पर हमला करने में इस्तेमाल ड्रोन शहर के बेलीचराना क्षेत्र से ऑपरेट किए गए। इस इलाके में कई जगहों पर दबिश देकर पूछताछ की जा रही है, क्योंकि ड्रोन के बॉर्डर से आने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही। एक तरफ से बॉर्डर 10 और दूसरी तरफ से 16 किलोमीटर दूर है। लिहाजा ड्रोन का इस्तेमाल एयरफोर्स के आसपास से किया गया होगा? एयरफोर्स के पास सबसे संदिग्ध क्षेत्र बेलीचराना ही है, जिसके साथ तवी नदी भी लगती है। जम्मू में वायुसेना के एयरबेस पर ड्रोन से हुए बम हमले को भविष्य के लिए एक बड़े खतरे के रूप में आंकते हुए वायुसेना समेत तमाम सैन्य प्रतिष्ठानों की सुरक्षा का नए सिरे से आडिट कराया जाएगा। भारत में वायुसेना स्टेशन पर पहली बार हुए ड्रोन हमले की नई चुनौती को देखते हुए सैन्य प्रतिष्ठानों की फूलप्रूफ सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद अहम हो गया है। ड्रोन हमला सैन्य सुरक्षा के लिए नए तरह का खतरा है। एयरबेस ही नहीं दूसरे तमाम सैन्य प्रतिष्ठानों के लिए कम ऊंचाई पर उड़ने वाले ड्रोन को इंटरसेप्ट करना आसान नहीं है। इसके लिए सैन्य प्रतिष्ठानों के पास तकनीक और उपकरण दोनों की कमी है। सैन्य प्रतिष्ठानों को इस तरह के हमलों से बचाने के लिए यथाशीघ्र उपकरणों व तकनीक से लैस करना जरूरी है। पाकिस्तानी एजेंसियां आतंकी संगठनों को ड्रोन समेत दूसरे आधुनिक उपकरण व तकनीक मुहैया करा रही हैं। सऊदी अरब के सबसे बड़े तेल डिपो पर कुछ अरसा पहले ड्रोन से हुए आतंकी हमले का उदाहरण बहुत पुराना नहीं है। अमेरिकी एजेंसियां भी इस ड्रोन मिसाइल को इंटरसेप्ट नहीं कर पाई थीं। जम्मू एयरपोर्ट के जिस टेक्निकल एरिया में ड्रोन से बम हमला हुआ वह वायुसेना के हेलीकॉप्टर हैंगर के करीब था। वायुसेना के ध्रुव हेलीकाप्टर इस हैंगर में पार्क हैं। राहत की बात यही है कि इस हमले में कोई भारी नुकसान नहीं हुआ। जम्मू की घटना के बाद वायुसेना ने श्रीनगर, अवंतीपुरा, अंबाला और पठानकोट और अवंतीपुरा जैसे सीमावर्ती एयरबेस की सुरक्षा को अलर्ट कर दिया है। ड्रोन हमला कहीं दूर बैठकर किया जा सकता है। बहुत समय से कहा भी जा रहा है कि भावी समय ड्रोन युद्ध का है जिसमें युद्ध लड़ने के लिए सैनिकों की नहीं, तकनीकी की आवश्यकता होगी। चीन तो रोबोट सैनिक तैयार कर रहा है। अब भारत को भी खुद को उसी हिसाब से तैयार करना होगा। आतंकी संगठन ड्रोन का प्रयोग कर सकते हैं और आईएसआईएस ने मोसुल में ड्रोन हमलों के साथ यह बात साबित भी कर दी थी। भारत के अलावा अमेरिका, इजरायल, चीन, ईरान, इटली, पाकिस्‍ तान, तुर्की और पोलैंड ने ही साल 2019 तक ऑपरेशनल यूएवी यानी अनमैन्ड एरियल व्हीकल तैयार कर लिए थे। ड्रोन अटैक में किसी भी यूएवी की मदद से बम को ड्रॉप करना, मिसाइल फायर करना, टारगेट को क्रैश करना और कुछ और कामों को अंजाम दिया जा सकता है। ड्रोन अटैक में यूएवी को किसी और जगह से कंट्रोल किया जाता है। दुनिया के कई देशों में ड्रोन हमले के तहत टारगेटेड किलिंग को अंजाम भी दिया जा चुका है। अब आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से लैस ड्रोन को कमांड करने की भी जरूरत नहीं है। ड्रोन अटैक की जानकारी दुनिया को सबसे पहले अमेरिका ने दी थी। अमेरिका ने अफगानिस्‍ तान से लेकर पाकिस्‍ तान, सीरिया, इराक, सोमालिया और यमन में हवा से जमीन तक हमला करने में सक्षम मिसाइलों को फायर करने के लिए ड्रोन का प्रयोग किया, लेकिन तुर्की और अजरबैजान ने जमकर ड्रोन युद्ध को अपनाया। वर्ष 2020 में तुर्की के बने यूएवी को विस्‍ फोटकों से लादा गया था।इस ड्रोन ने लीबिया में हफ्तार की सेनाओं को निशाना बनाया था। जनवरी 2012 से फरवरी 2013 तक अमेरिका पर ड्रोन का प्रयोग करके मानवाधिकार उल्‍ लंघनों के आरोप भी लगे थे। संयुक्‍ त राष्‍ ट्रसंघ के मुताबिक अमेरिकी स्‍ पेशल ऑपरेशंस में 200 लोगों की जान गई है जबकि निशाना बस 35 लोग ही थे। पूर्व अमेरिकी राष्‍ ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में अमेरिकी सेनाओं ने जमकर ड्रोन हमलों को अंजाम दिया। 2019 में सऊदी अरब की दो बड़ी तेल फैक्ट्रियों पर ड्रोन हमले के बाद ही भारत सरकार ने दुश्मन ड्रोन से निपटने के लिए गाइडलाइंस पर काम करना शुरू कर दिया था। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो के महानिदेशक की अध्यक्षता वाली नागर विमानन महानिदेशालय, इंटेलीजेंस ब्यूरो , रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन , भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड की समिति ने ये गाइडलाइंस बनाई थीं। सवाल यह है कि जब भारत को पता है कि ऐसा हो सकता है फिर भी उसके सैन्य ठिकाने इतने असुरक्षित क्यों हैं? आपदाएं न तो बोल -बताकर आती हैं और न ही रोज आती हैं। इसलिए भी जरूरी है कि सतर्क रहा जाए और अपने सभी सैन्य ठिकानों, सुरक्षा संस्थानों की सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए जाएं। पाकिस्तान पर जम्मू-कश्मीर में ड्रोन हमले का शक इसलिए भी जाता है क्योंकि वह ड्रोन का इस्तेमाल पहले भी करता रहा है। उसने पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए ऐसे कई ड्रोन भेजे थे जिनमें से ज्यादातर समय रहते पकड़ लिए गए थे और जब भारत में ड्रोन का इस्तेमाल दवा पहुंचाने, उर्वरक पहुंचाने और वाणिज्यिक सामानों की आपूर्ति में हो रहा है। (लेखक हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

ज्ञान गंगा

सत्य

श्रीराम शर्मा आचार्य

सत्य और तत्त्व से अनभिज्ञ लोग संकल्पवान होने का मतलब हठी होना समझ लेते हैं पर नहीं, अंतस में केंद्रित होने के साथ आवश्यक है विनम्रता, ग्रहणशीलता और गुरु की चेतना की ओर खुला होना। जो तैयार है, सचेत है, प्रतीक्षारत और प्रार्थनामय है, उसी में सीखने की क्षमता आती है। यह सीखना गुरु के सान्निध्य में होता है। गुरु के हृदय में जल रही सत्य की ज्योति के संस्पर्श से ही शिष्य के हृदय की ज्योति जलती है। यही है सत्संग का मतलब। सत्संग का मतलब है सत्य का गहरा सान्निध्य। इसका अर्थ है, सत्य के पास होना, उन गुरु के अनुशासन में रहना, जो सत्य से एकात्म हैं। बस गुरु के निकट बने रहना, खुले हुए ग्रहणशील और प्रतीक्षारत। साधक की यह प्रतीक्षा गहरी और सघन हो जाती है, तब एक गहन आत्म-मिलन घटित होता है। दरअसल, गुरु के बताए गए अनुशासनों में उनकी चेतना तरंगित होती है। इन्हें स्वीकारने और अपनाने का अर्थ है-उनकी चेतना स्वीकारना, अपनाना। शिष्यत्व के प्रकट होते ही साधक को अलग ही भाषा समझ में आने लगती है। तब शारीरिक निकटता भी जरूरी नहीं है, क्योंकि नई भाषा है ही गैर-शारीरिक। तब दूरी से कोई फर्क नहीं पड़ता, शिष्य एवं गुरु का संपर्क बना रहता है। केवल स्थान की दूरी ही नहीं, समय से भी कोई अंतर नहीं पड़ता। गुरु का शरीर चाहे न भी रहे, लेकिन शिष्य का संपर्क तब भी बना रहता है। भौतिक शरीर को त्यागने के बावजूद गुरु -शिष्य बड़े मजे से मिलते रहते हैं। बिना बाधा या व्यवधान के उनमें भावों एवं विचारों का आदान-प्रदान चलता रहता है। यह चमत्कार है योग के अनुशासन का। गुरु द्वारा दिए गए व्रतबंध को श्रद्धापूर्वक स्वीकारने से शिष्य के जीवन में अनेक चमत्कार घटते हैं। कोई गुरु कभी भी अपने शिष्य से दूर नहीं होता। कभी मरता नहीं, खासकर उनके लिए, जो श्रद्धा सहित उसके अनुशासन को स्वीकार कर सकते हैं। वह उनकी मदद करता रहता है। हमेशा यहां ही होता है-शिष्य के पास। उसका सच्चा वासस्थान तो अपने शिष्य का हृदय होता है। प्रेम, श्रद्धा एवं आस्था स्थान और समय दोनों को मिटा देती है। अनुशासन देने वाला गुरु और प्राणपण से गुरु के अनुशासन को मानने वाला शिष्य, दोनों एकदम पास-पास होते हैं। उनमें सदा ही सत्संग चलता रहता है।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

धर्मान्तरण पर कठोर कानून की आवश्यकता

डॉ. रामकिशोर उपाध्याय

हमारे संविधान ने सभी धर्मावलम्बियों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया है किन्तु धार्मिक स्वतंत्रता की आड़ में जिस प्रकार धर्मान्तरण किये जा रहे हैं उससे पुनः इस धारा की व्याख्या करने की आवश्यकता उपस्थित कर दी है। नोएडा डेफ सोसायटी के मूक-बधिर बच्चों के धर्मान्तरण की घटना ने पूरे देश को चौंका दिया है। यद्यपि देश के भिन्न-भिन्न राज्यों में धर्मान्तरण रोकने के लिए अलग-अलग कानून हैं किन्तु कोई भी राज्य इस बात का विश्वास नहीं दिला सकता कि उसके यहाँ धर्मान्तरण पूर्णतः रुक गया है। अभी इस अपराध में दो वर्ष से लेकर अधिकतम सात वर्ष की सजा का प्रावधान है। जुर्माने की राशि भी जो कुछ राज्यों में पहले पाँच हजार थी उसे भी अलग-अलग राज्यों ने थोड़ी बहुत वृद्धि करके खानापूर्ति कर दी है। एक अनुमान के अनुसार धर्मान्तरण कराने वाले गिरोहों को इस कार्य के लिए हवाला आदि माध्यमों से जो फंड मिलता है. वह करोड़ों में होता है। यह पैसा अरब देशों तक से यहाँ पहुँचाया जाता है। प्रश्न यह है कि जिस कार्य को करने के लिए करोड़ों रुपये मिलते हों और पकड़े जाने पर जुर्माना मात्र कुछ हजार रुपये हो तो भला ऐसा कानून इस कुकृत्य को कैसे रोक पाएगा ? भारत जिसे हिन्दू बहुसंख्यक देश कहा जाता है वहाँ कश्मीर, लद्दाख, मिजोरम, नागालैंड, लक्ष्यद्वीप, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय आदि कई राज्यों में हिन्दू जनसंख्या घटते-घटते अल्प संख्यक हो गई है। देश के नौ राज्यों में हिन्दुओं का अल्पसंख्यक हो जाना निस्संदेह चिन्ता का विषय है। इस बात में कोई सन्देह नहीं कि हिन्दू आवादी घटने का सबसे बड़ा कारण धर्मान्तरण ही है। आश्चर्य की बात यह है कि इतनी बड़ी संख्या में धर्मान्तरण के पश्चात् भी देश में इसे रोकने के लिए प्रभावी कानून नहीं बन सका है। भारत में धर्मान्तरण की विवशता और छल का इतिहास बहुत पुराना है। ब्रिटिश काल में इसाई मिशनरियों ने सहानुभूति और सेवा की आड़ में धर्मान्तरण का जो घिनौना खेल आरंभ किया था वह आज तक अनवरत चल रहा है। मिशनरियाँ सुदूर वनों में रहने वाले अनुसूचित जनजाति के लोगों को अभी भी बहला फुसलाकर ईसाई बना देती हैं। मध्यकाल में इस्लामिक आक्रान्ता गर्दन पर तलवार रखकर या जज़िया कर लगाकर धर्मान्तरण कराते रहे। किन्तु उत्तर प्रदेश में मुफ्ती काजी जहांगीर आलम और मुहम्मद उमर के धर्मान्तरण गैंग ने इन सबसे हटकर जिस क्रूरता और निर्लज्जता से धर्मान्तरण कराने का कुकृत्य किया है वैसे उदहारण कम ही देखने को मिलते हैं। दिव्यांग बच्चों को देख सज्जन नागरिकों के मन में स्वाभाविक रूप से सहानुभूति उमड़ती है। वे बिना किसी भेदभाव के इनकी सेवा और सहयोग करने लगते हैं। किन्तु यह एक ऐसा गिरोह बताया जा रहा है जो उन मासूम हिन्दू बच्चों के खतने कर उन्हें मुसलमान बना देता है जो न बोल सकते हैं न सुन सकते हैं, जिन्हें समाज से अतिरक्त सहानुभूति की आवश्यकता थी। यदि डेफ सोसायटी इन मूक-बधिरों को बिना धर्मान्तरण के ही उनका जीवन सँवार देती तो संभव था कि पूरी दुनिया उनके कार्यों की सराहना करती। भारत के प्रबुद्ध नागरिकों और मानवता वादियों को आशा थी कि लगभग एक हजार हिन्दुओं (जिनमें मूक-बधिर बच्चे और लड़कियाँ भी शामिल हैं) को लोभ-लालच देकर, गुमराह करके जबरन मुसलमान बनाए जाने की इस क्रूर और घृणित घटना का देश के सभी इस्लामिक इदारे/धार्मिक संस्थाएँ एक सुर में निंदा करेंगीं किन्तु ऐसा कुछ भी नहीं हुआ 7 कुछ लोग बड़ी चतुराई के साथ धार्मिक स्वतंत्रता की दुहाई देने में जुट गए हैं। मैं पूछता हूँ कि यदि यही काम किसी हिन्दू संगठन ने मुसलमान बच्चों के साथ कर दिया होता तो क्या तब भी देश में ऐसी ही शांति और भाईचारा बना रहता ? एक मुसलमान युवक की लड़ाई-झगड़े में हत्या हो जाने पर पूरा देश असहिष्णु हो गया था, यूपी से मुंबई तक तथाकथित प्रगतिशील लोग (इस्लामिस्ट और कम्युनिस्ट लॉबी) सड़कों पर उतर आई थी। पुरस्कार वापस किये जाने लगे थे और बड़े-बड़े कलाकारों का मन देश छोड़ देने का हो रहा था। किन्तु अब जबकि एक हजार लाचार बच्चों के धर्मान्तरण की घटना सामने आ रही है तब तथाकथित बुद्धिजीवी समूह लीपापोती कर रहा है क्यों ? संसार के सभी देशों में अल्पसंख्यक समूह सरकारों से निवेदन करते हैं कि धर्मान्तरण रोकिए और धर्मान्तरण कराने वालों को कठोर दंड दीजिए किन्तु भारत में उल्टी गंगा बह रही है यहाँ अल्पसंख्यक कह रहे हैं कि धर्मान्तरण पर आँखें मूँद लो और बहुसंख्यक हिन्दू कह रहे हैं कि धर्मातरण को रोकने के लिए कठोर कानून बनाइये। भारत एकमात्र ऐसा देश है जहाँ तथाकथित अल्पसंख्यक मुसलमान और ईसाई, बहुसंख्यक हिन्दुओं का जबरन धर्मान्तरण करा देते हैं और उन्हें इस काम के लिए सजा के स्थान पर देश विदेश से अपार धन मिलता है। अब समय अगाया है जबकि बलात धर्मान्तरण को रोकने के लिए संविधान में कठोर प्रावधान करने ही होंगें नहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पूरे देश में हिन्दू अल्पसंख्यक बन कर रह जाएँगे। आज समग्र देश में धर्मान्तरण रोकने के लिए एक कठोर कानून की आवश्यकता है। (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वॉलमार्ट वृद्धि एमएसएमई को कोविड को नेविगेट करने के लिए चिकित्सा सहायता तक पहुंचने में मदद करेगी

बेंगलुरु। वॉलमार्ट ने वृद्धी केयर्स के लॉन्च के साथ एमएसएमई के लिए अपने कोविड -19 समर्थन प्रयासों के विस्तार की घोषणा की है। नया कार्यक्रम एमएसएमई को अपने परिवार के सदस्यों और कर्मचारियों को टेलीकेयर सेवाओं और स्वास्थ्य सलाह के साथ समर्थन करने में मदद करता है और महामारी से संबंधित व्यावसायिक सलाह और संसाधनों तक लगातार पहुंच प्रदान करता है। एमएसएमई को महामारी की शुरूआत के बाद से वॉलमार्ट वृद्धि के माध्यम से क्षमता-निर्माण का समर्थन मिल रहा है, जिससे उन्हें फ्लिपकार्ट और वॉलमार्ट चैनलों और खुले बाजार के माध्यम से नए बाजारों में बढ़ने में मदद मिली है। वॉलमार्ट में इंटरनेशनल पार्टनरशिप सर्विसेज की वाइस प्रेसिडेंट निधि मुंजाल ने कहा, भारत के एमएसएमई उन लोगों की भलाई को प्राथमिकता देने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं जिनकी वे परवाह करते हैं और साथ ही कोविड-19 के अभूतपूर्व व्यावसायिक प्रभावों को नेविगेट करते हुए। वृद्धि केयर्स को आसान प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। विश्वसनीय स्वास्थ्य देखभाल और व्यावसायिक सलाह तक पहुंच जिससे एमएसएमई अपने परिवारों, कार्यबल और समुदायों को इस कठिन समय से निकालने में मदद कर सकें। वृद्धि केयर्स के साथ, वॉलमार्ट पार्टनर स्वस्ति मुफ्त टेलीकेयर सेवाएं प्रदान कर रही है, जो एमएसएमई और उनके परिवारों और कर्मचारियों के लिए फोन के माध्यम से डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को दूरस्थ पहुंच प्रदान करती है। ये पेशेवर लक्षणों की निगरानी और परामर्श और सहायता प्रदान करने के लिए दैनिक चेक-इन प्रदान कर सकते हैं। कार्यक्रम आगे अंग्रेजी, हिंदी, कन्नड़ और तमिल में वैक्सीन दिशानिर्देशों,घरेलू संगरोध प्रक्रियाओं और देखभाल के बारे में अद्यतन जानकारी प्रदान करता है। एमएसएमई के अनुरूप महामारी से संबंधित व्यावसायिक सलाह की पेशकश करते हुए, वृद्धि केयर्स में एक चल रही वेबिनार श्रृंखला भी शामिल है, जिसमें प्रतिभागी लाइव शामिल हो सकते हैं या मांग पर देख सकते हैं। अतिथि विशेषज्ञों द्वारा विषयों को गहराई से कवर किया जाता है, जिसमें उपस्थित लोगों को प्रश्न पूछने और अपनी चिंताओं को साझा करने का अवसर मिलता है। पिछले महीने आयोजित किए गए वेबिनार में कार्यबल सुरक्षा, कारखानों के लिए महामारी प्रोटोकॉल, कार्यबल स्वास्थ्य बीमा योजनाएं, वित्तीय सहायता तक पहुंच और डिजिटल मार्केटिंग को कवर किया गया है।

भारत में एप्पल मैक, आईपैड की बिक्री में उछाल: रिपोर्ट

नई दिल्ली। देश में पहली बार ऑनलाइन स्टोर खोलने के करीब नौ महीने बाद टेक दिग्गज एप्पल भारत का पांचवां सबसे बड़ा पीसी ब्रांड बन गया है। रिसर्च फर्म कैनालिस के नए आंकड़ों के अनुसार, 2021 की पहली तिमाही में एप्पल मैक डेस्कटॉप और लैपटॉप और आईपैड टैबलेट की शिपमेंट 208,000 यूनिट तक पहुंच गई। एप्पलइनसाईडर ने डिजीटाईम्स का हवाला देते हुए बताया कि फर्म ने शिपमेंट में बढ़ोतरी के लिए सितंबर 2020 में देश में एप्पल के ऑनलाइन स्टोर के उद्घाटन के लिए जिम्मेदार ठहराया। विश्लेषण फर्म आईडीसी के अतिरिक्त डेटा से यह भी पता चला है कि भारत में एप्पल पीसी शिपमेंट क्यू1 2021 में लगभग 335 प्रतिशत बढ़ा है। एप्पल, असूसटेक से पिछड़ गया, जो लगभग 2,000 इकाइयों द्वारा पांचवें सबसे बड़े पीसी विक्रेता के लिए क्यूपर्टिनो टेक दिग्गज के साथ जुड़ा है। भारत में, एप्पल का टैबलेट और भी बेहतर प्रदर्शन करता दिख रहा है। हालांकि पहली तिमाही में भारतीय टैबलेट शिपमेंट में 34 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, लेकिन एप्पल बाजार के 29 फीसदी हिस्से के साथ दूसरे सबसे बड़े टैबलेट विक्रेता के रूप में स्थान पर रहा। क्यू1 2021 में भारत में एप्पल टैबलेट शिपमेंट में साल-दर-साल 144 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे कंपनी दूसरे स्थान पर सैमसंग से आगे निकल गई। जब व्यक्तिगत उपकरणों की बात आती है, तो एप्पल की 29 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी का 17 प्रतिशत आईपैड 8 से आया, जबकि 9 प्रतिशत 2020 आईपैड एयर मॉडल से आया।

एक जुलाई से कटेगा दोगुना टीडीएस, ऐसे लोगों की पहचान के लिए बनी नई व्यवस्था

बिजनेस डेस्क:

आयकर विभाग टैक्सपेयर्स पर सख्त हो चुका है। विभाग ने टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) काटने और टीसीएस (स्रोत पर कर संग्रह) संग्रह करने वालों के लिए एक नई व्यवस्था तैयार की है। इसके जरिए उन व्यक्तियों की पहचान आसानी से हो सकेगी, जिन पर एक जुलाई से ऊंची दर से कर वसूला जाएगा। वित्त वर्ष 2020-21 के बजट में यह प्रावधान किया गया है कि पिछले दो वित्त वर्षों में आयकर रिटर्न नहीं भरने वाले उन लोगों के मामले में टीडीएस और टीसीएस अधिक दर से होगा, जिन पर दो वर्षों में प्रत्येक में 50,000 रुपए या उससे अधिक कर कटौती बनती है। आयकर की धारा 206एबी एक जुलाई से लागू हो जाएगी। इस धारा के लागू होते ही जिन कारोबारियों, ठेकेदारों, कमीशन एजेंट ने दो वर्ष से रिटर्न फाइल नहीं किए हैं, उनका टीडीएस काटते समय जितनी भी टैक्स दर होगी, उसका दोगुना टीडीएस काटा जाएगा। इसमें एक और चीज है कि किसी भी तरह से यह पांच फीसद से नीचे नहीं होगा, यानी धारा 194क्यू के तहत 0.1 फीसदी टैक्स काटा जाता है लेकिन उसका दोगुना 0.2 फीसदी हुआ। इसलिए इसमें 5 फीसदी टैक्स काटा जाएगा। टैक्स सलाहकारों के मुताबिक अगर यह 5 फीसदी से कम बन रहा है तो पांच फीसदी बनेगा। इसमें पांच फीसदी या दोगुना जो भी ज्यादा होगा, लागू होगा। जिन मामलों में 10 फीसदी टीडीएस कटता है, 20 फीसदी हो जाएगा। 206एबी के तहत वेतन के मामले में छूट मिली हुई है। इसके अलावा भविष्य निधि के एकत्र धन पर कटौती नहीं होगी।

ऑडी ने अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी ई-ट्रॉन और ई-ट्रॉन स्पोर्टबैक की बुकिंग शुरु की

मुंबई।

लक्जरी कार विनिर्माता ऑडी ने कहा कि कंपनी ने भारत में अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी ई-ट्रॉन और ई-ट्रॉन स्पोर्टबैक के लिए बुकिंग शुरू कर दी है, ये गाड़ियां 22 जुलाई को बाजार में आएंगी। ऑडी इंडिया ने कहा कि इनमें से प्रत्येक एसयूवी को पांच लाख रुपये की शुरुआती राशि के साथ बुक कर सकते है। कंपनी ने बताया कि वह ई-ट्रॉन ब्रांड के तहत कई नए मॉडल की पेशकश भी करेगी। ऑडी इंडिया ने पिछले साल के अंत में ई-ट्रॉन की पेशकश की योजना बनाई थी, लेकिन कोरोना के मद्देनजर योजना में बदलाव करना पड़ा। इस बारे में ऑडी इंडिया ने कहा, भविष्य इलेक्ट्रिक का है और हम भारत में एक नहीं, बल्कि दो इलेक्ट्रिक एसयूवी-ऑडी ई-ट्रॉन और ऑडी ई-ट्रॉन स्पोर्टबैक की बुकिंग शुरू करके रोमांचित हैं।''

भारतीय बाजार में जुलाई में गैलेक्सी एफ-22 स्मार्टफोन उतार सकता है सैमसंग

नई दिल्ली। दक्षिण कोरियाई तकनीकी दिग्गज सैमसंग देश में एक नया एफ सीरीज स्मार्टफोन गैलेक्सी एफ-22 लॉन्च करने की योजना बना रही है, जिसकी कीमत 15,000 रुपये से कम हो सकती है। उद्योग के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि आगामी गैलेक्सी एफ सीरीज स्मार्टफोन जुलाई के दूसरे सप्ताह में भारत आ सकता है। स्मार्टफोन को सुचारू प्रदर्शन के लिए 90 हट्र्ज रिफ्रेश रेट के साथ 6.4-इंच एचडी प्लस सुपर एएमओएलईडी डिस्पले की सुविधा के साथ तैयार किया गया है। गैलेक्सी एफ-22 6000 एमएएच की बड़ी बैटरी के साथ बाजार में उतारा जा सकता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जेन जेड और मिलेनियल उपभोक्ताओं की जीवन शैली की जरूरतें पूरी हो सके। सूत्रों ने कहा कि यह विस्तृत शॉट्स को कैप्चर करने के लिए 48 मेगापिक्सल क्वाड-कैमरा सेट-अप को स्पोर्ट करेगा। गैलेक्सी एफ सैमसंग की भारत-विशिष्ट स्मार्टफोन सीरीज है, जिसके लिए सैमसंग ने फ्लिपकार्ट के साथ करार किया है। गैलेक्सी एफ स्मार्टफोन सैमसंग ऑनलाइन स्टोर और प्रमुख रिटेल स्टोर पर भी बिकते हैं। सैमसंग ने इस साल भारत में गैलेक्सी एफ-62, गैलेक्सी एफ-12 और गैलेक्सी एफ02एस सहित गैलेक्सी एफ स्मार्टफोन की एक सीरीज लॉन्च की है। यह इस साल भारत में लॉन्च होने वाला सैमसंग का चौथा गैलेक्सी एफ सीरीज स्मार्टफोन होगा। गैलेक्सी एफ पोर्टफोलियो सैमसंग का एक बढ़ता हुआ ब्रांड है और सैमसंग के शक्तिशाली उपकरणों की तलाश में जेन जेड और मिलेनियल उपभोक्ताओं के बीच बेहद लोकप्रिय हो गया है।

मेहुल चोकसी का नक्षत्र वर्ल्ड भी बिकेगा, NCLT ने इस फैसले पर लगा दी है मुहर!

बिजनेस डेस्क:

भगोड़े मेहुल चोकसी का नक्षत्र वर्ल्ड जल्द ही बिकने जा रहा है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्युनल **(NCLT)** ने गीतांजली जेम्स की सब्सिडियरी कपंनी नक्षत्र वर्ल्ड के लिक्विडेशन का आदेश दे दिया है। गीतांजली जेम्स मेहुल चोकसी की कंपनी है। एनसीएलटी **(NCLT)** का ये फैसला आईसीआईसीआई बैंक की उस याचिका के बाद आया है, जो बैंक ने कंपनी के खिलाफ करीब 2 साल पहले दायर की थी। कोर्ट ने दिल्ली के एएए रेटिंग वाले इनसॉल्वेंसी प्रोफेशनल्स एलएलपी के पार्टनर शांतनु रे को लिक्विडेटर नियुक्त किया है। नक्षत्र वर्ल्ड जनवरी 2019 से ही दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही है, जो एक डिजाइन डिस्ट्रिब्यूशन फर्म है। कंपनी के सभी असेट्स को ईडी पहले ही मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत अटैच कर चुका है। जनवरी 2018 में सीबीआई ने पंजाब नेशनल बैंक की शिकायत पर एक बड़े फ्रॉड का पता लगाया था। ये करीब 14,357 करोड़ रुपए का था। यह फ्रॉड मेहुल चोकसी और उनके भांजे नीरव मोदी ने मिलकर किया था।

भागता फिर रहा है मेहुल चोकसी

जानकारी मिली थी कि मेहुल चोकसी एंटीगुआ में है। 23 मई को पता चला कि वह रहस्यमयी तरीके से एंटीगुआ से लापता हो गया है। उसके बाद खबर आई कि वह पड़ोसी देश डोमिनिका में अवैध तरीके से घुसते हुए सुरक्षा बलों द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है। अब भारत डोमिनिका से मेहुल चोकसी को भारत लाने की कोशिश कर रहा है लेकिन बात नहीं बन पा रही है।

चोकसी के पास बैंकों का कितना पैसा फंसा?

चोकसी विलफुल डिफॉल्टर्स (जानबूझकर पैसा नहीं लौटाने) की सूची में टॉप पर है। उसकी कंपनी गीतांजलि जेम्स पर बैंकों का 5071 करोड़ रुपए का लोन **NPA** बन चुका है। इनमें से 622 करोड़ रुपए का लोन बैंक बट्टे-खाते में डाला जा चुका है। मेहुल चोकसी का जन्म मुंबई में हुआ था। गहनों के बड़े कारोबारी हैं। उनकी कंपनी का सालाना टर्नओवर करीब 13 हजार करोड़ रुपए का है। गीतांजलि का कारोबार दुनिया के कई देशों में भी फैला है।

मुनाफावसूली से शेयर बाजारों में लगातर दूसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 186 अंक और टूटा

मुंबई,

निवेशकों की मुनाफावसूली के बीच शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही। कई देशों में कोविड-19 संक्रमण के मामले बढ़ने के बीच निवेशक वैश्विक बाजारों में सतर्कता भरे माहौल में जोखिम वाली संपत्तियों में अपना निवेश घटा रहे हैं। कारोबारियों ने कहा कि रुपये में कमजोरी तथा सरकार के नए प्रोत्साहन पैकेज के वित्तीय प्रभाव से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 185.93 अंक या 0.35 प्रतिशत के नुकसान से 52,549.66 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 66.25 अंक या 0.42 प्रतिशत टूटकर 15,748.45 अंक पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 1.54 प्रतिशत टूट गया। आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, बजाज ऑटो, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एसबीआई तथा मारुति के शेयर भी नुकसान में रहे। वहीं दूसरी ओर पावरग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एनटीपीसी, डॉ. रेड्डीज, नेस्ले इंडिया और इंडसइंड बैंक के शेयर 1.75 प्रतिशत तक चढ़ गए। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''सरकार के दबाव वाले क्षेत्रों को उबारने के लिए प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा के बावजूद स्थानीय शेयर बाजारों में कमजोरी का रुख रहा।'' नायर ने कहा, ''बाजार में व्यापक बिकवाली के बीच सरकार के समर्थन की वजह से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के शेयर सकारात्मक दायरे में रहे।'' एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि महामारी से प्रभावित क्षेत्रों को राहत के लिए सरकार ने ऋण सुविधा की जो पेशकश की है उससे राजकोषीय घाटा 0.60 प्रतिशत बढ़ेगा। इसके साथ ही बैंकों के पास 70,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त तरलता सुविधा उपलब्ध होगी। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा कि वित्तीय, वाहन और धातु कंपनियों में मुनाफावसूली से बाजार नीचे आया। वैश्विक बाजारों के कमजोर रुख से भी धारणा प्रभावित हुई। बीएसई मिडकैप और स्मॉल कैप में 0.42 प्रतिशत तक का नुकसान रहा। अन्य एशियाई बाजारों में चीन के शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग के हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया के कॉस्पी और जापान के निक्की में नुकसान रहा। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजार लाभ में थे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 0.27 प्रतिशत के नुकसान से 73.94 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया चार पैसे टूटकर 74.23 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। शेयर बाजारों के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को शुद्ध रूप से 1,658.72 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

रिकॉर्ड कीमत से 10,000 रुपए सस्ता हुआ सोना! आने वाले दिनों में फिर बढ़ सकती है कीमत

बिजनेस डेस्क: अगर आप सोना खरीदना चाहते हैं तो आपके लिए शानदार मौका है। सोने की कीमतों में नरमी बनी हुई है। सोमवार के बाद मंगलवार को भी सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखी गई है। मंगलवार को 22 कैरेट सोने का भाव 10 ग्राम के लिए 46,160 रुपए पर स्थिर रहा। वहीं, चांदी भी 67,900 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही। पिछले साल अगस्त में सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट 55,400 रुपए प्रति दस ग्राम के भाव पर पहुंच गया था। सोने के आज एक रेट की अगर इससे तुलना की जाए, तो सोना तब से 10,000 रुपए प्रति दस ग्राम से भी ज्यादा सस्ता हो चुका है।

प्रमुख महानगरों में सोने की कीमतें

नई दिल्ली में 22 कैरेट सोने का भाव 46,150 रुपए प्रति 10 ग्राम है। चेन्नई में यह 20 रुपए की गिरावट के साथ 44,440 रुपए पर मिल रहा है। वेबसाइट के मुताबिक मुंबई का रेट 46,160 रुपए है। वहीं, चांदी मंगलवार को 67,900 प्रति किलोग्राम पर रही।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना फिसला

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी आज सोना 1,768 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है। इस महीने की शुरुआत में ये 1900 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर था। लेकिन डॉलर में तेजी के कारण सोने की कीमत में कमी आई है।

आने वाले 4 से 5 महीनों में सोना हो सकता है 50 हजार के पार

केडिया कमोडिटी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि कोरोना महामारी के कारण देश में महंगाई तेजी से बढ़ी है। जब भी महंगाई बढ़ती है तो इसका फायदा सोने को मिलता है। इसके अलावा अब लॉकडाउन भी खुल गया है इससे शादी और अन्य समारोह भी शुरू होंगे। इससे सराफा बाजार में भी सोने की मांग बढ़ेगी। दिवाली तक सोना फिर 50 हजार रुपए तक जा सकता है।

लगातार बढ़ रही सोने की मांग

देश में सोने का इंपोर्ट चालू फाइनेंशियल ईयर (2021-22) में अप्रैल-मई में बढ़कर 6.91 अरब डॉलर (51 हजार करोड़ रुपए) रहा। कॉमर्स मिनिस्ट्री के मुताबिक फाइनेंशियल ईयर 2020-21 की इसी अवधि में इस गोल्ड का इंपोर्ट 7.91 करोड़ डॉलर (599 करोड़ रुपए) का था।

रिलायंस पावर ने समालकोट परियोजना से बांग्लादेश को उपकरणों का निर्यात शुरू किया

नई दिल्ली।

रिलायंस पावर ने अपनी समालकोट परियोजना से बिजली उपकरणों का निर्यात बांग्लादेश परियोजना के लिए करना शुरू कर दिया है। बांग्लादेश में 750 मेगावाट की एलएनजी आधारित बिजली परियोजना के लिए उपकरणों के निर्यात की प्रक्रिया जुलाई 2021 के अंत तक पूरी होने की उम्मीद है। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि समालकोट से बांग्लादेश की परियोजना के लिए इन उपकरणों की बिक्री से रिलायंस पावर का अमेरिकी-एक्जिम ऋण करीब 1,500 करोड़ रुपये कम हो जाएगा। सरल शब्दों में कहें तो वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, समालकोट से बांग्लादेश परियोजना को इन उपकरणों की बिक्री से कंपनी को अपने कर्ज के बोझ को करीब 1,500 करोड़ रुपये कम करने में मदद मिलेगी। बांग्लादेश परियोजना का विकास कंपनी जापान की ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज जेईआरए के साथ मिलकर कर रही है।

परियोजना ने 750 मेगावाट उत्पादन क्षमता के अपने पहले चरण के लिए वित्तीय समापन भी हासिल कर लिया है। सैमसंग सी एंड टी कॉर्पोरेशन बांग्लादेश परियोजना के लिए ईपीसी ठेकेदार है। रिलायंस पावर ने अपनी समालकोट परियोजना के लिए गैस आधारित बिजली उपकरण के 3 मॉड्यूल आयात किए थे, लेकिन देश में गैस की अनुपलब्धता के कारण यह परियोजना आकार नहीं ले सकी। अब कंपनी इन बिजली उपकरणों का इस्तेमाल अपनी बांग्लादेश परियोजना के लिए कर रही है। 750 मेगावाट के मॉड्यूल 1 के निर्यात की प्रक्रिया चल रही है और जुलाई अंत तक पूरी हो जाएगी।

समालकोट परियोजना के लिए कुल यूएस एक्जिम ऋण लगभग 2,500 करोड़ रुपये है, जिसमें से 1,500 करोड़ रुपये मॉड्यूल 1 की बिक्री के साथ चुकाए जाएंगे। शेष 2 मॉड्यूल की बिक्री से शेष ऋण को चुकाने के लिए पर्याप्त धन उत्पन्न होने की उम्मीद है। मॉड्यूल 2 और 3 की बिक्री यूएस-एक्जिम के साथ संयुक्त रूप से की जा रही है और शेष यूएस-एक्जिम ऋण का भुगतान करने के बाद रिलायंस पावर के लिए अधिशेष उत्पन्न करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने ला रेंजिडेंशिया परियोजना आम्रपाली के दायरे में लाने से किया इंकार

बिजनेस डेस्क:

आम्रपाली मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ग्रेटर नोएडा में ला रेजिडेंशिया की आवासीय परियोजना को आम्रपाली के दायरे में लाने से इनकार किया है। अदालत ने कहा कि हृद्धष्ट द्वारा इसका निर्माण नहीं किया जा सकता, क्योंकि इस प्रोजेक्ट को आम्रपाली के छाते तले नहीं लाया जा सकता। अदालत ने कहा कि कंपनी निर्माण जारी रखेगी, लेकिन 632 फ्लैट बेचकर जुटाई गई राशि आम्रपाली के खाते में जमा की जाएगी. कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि जमा की गई रकम रिसीवर के नियंत्रण में रहेगी। कोर्ट के फैसले के मुताबिक- ला रेजिडेंशिया परियोजना में 632 फ्लैट्स बेचे जा सकते हैं। फ्लैट्स की कीमत कोर्ट कमिश्नर की मंजूरी के बाद ही तय होगी। उसमे चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का प्रमाणपत्र भी लगाना होगा। गौरतलब रहे सुप्रीम कोर्ट फिलहाल एनबीसीसी द्वारा सिर्फ आम्रपाली ग्रुप के अधूरे पड़े प्रोजेक्ट को पूरा करा रही है जिससे कि फ्लैट खरीदारों को जल्द से जल्द फ्लैट दिए जा सकें। मौजूदा वक्त में आम्रपाली ग्रुप दिवालिया हो चुका है। एनबीसीसी के अनुसार इसी साल 2021 में आम्रपाली के तीन प्रोजेक्ट पूरे होने जा रहे हैं। यह तीन प्रोजेक्ट सेंचुरियन पार्क, वेरोना हाइट्स और हर्टबीट सिटी हैं। तीनों ही प्रोजेक्ट में कुल 10964 फ्लैट हैं।

प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए एनबीसीसी ने गौर ग्रुप के साथ 2124 करोड़ रुपए का एग्रीमेंट किया है। गौर ग्रुप प्रोजेक्ट को पूरा करने पर काम कर रहा है। ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही आम्रपाली के खरीददारों को उनके फ्लैट मिल जाएंगे।

एनटीपीसी धन जुटाने को एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी का आईपीओ लाने की तैयारी में

नई दिल्ली:

सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी का इरादा अपनी इकाई एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लि. को सूचीबद्ध कराने का है। इससे कंपनी 2032 तक 60 गीगावॉट की अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के लिए कोष जुटा पाएगी। कंपनी के शीर्ष अधिकारी ने यह कहा। एनटीपीसी देश की पहली ऊर्जा कंपनी है जिसने अपने ऊर्जा लक्ष्य संयुक्तराष्ट्र की ऊर्जा पर उच्चस्तरीय वार्ता (एचएलडीई) के अनुरूप तय किए हैं। एनटीपीसी ने 2032 तक 60 गीगावॉट की अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। ब्लूमबर्गएनईएफ (बीएनईएफ) की वर्चुअल शिखर बैठक में एनटीपीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह ने कहा, ''हमें धन जुटाने के सिर्फ एक तरीके पर ध्यान नहीं देना चाहिए। हम जल्द ही सार्वजनिक तौर पर धन जुटाने पर विचार कर रहे हैं।''

सिंह का इशारा एनटीपीसी के महत्वाकांक्षीय अक्षय ऊर्जा लक्ष्य के लिए धन जुटाने की ओर था। उन्होंने कहा कि कंपनी हर साल 7-8 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता जोड़ेगी। यह कोई काफी मुश्किल काम नहीं है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि 2032 तक एनटीपीसी 60 गीगावॉट की अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने के लक्ष्य को पार कर लेगी। कंपनी ने पिछले साल अक्टूबर में नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार के लिए एक नई पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड की शुरुआत की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूरो कप : क्रोएशिया के 5-3 से हराकर स्पेन क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

कोपेनहेगन। स्पेन ने सोमवार को खेले गए यूरो कप मुकाबले में क्रोएशिया को 5-3 से हराते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। रेगुलेशन टाइम तक दोनों टीमें 3- 3 की बराबरी पर थीं लेकिन एक्स्ट्रा टाइम में स्पेन ने दो गोल करते हुए मुकाबला अपने हक में कर लिया। इस मैच में स्पेन के लिए पाब्लो साराबिया ने 38वें, सीजर ने 57वें, फेरान टॉरेस ने 77वें, एल्वारो मोराता ने 100वें और मिखेल ओराजाबाल ने 103वें मिनट में गोल किया। सर्बिया के लिए प्रेडी ने 20वें मिनट में आत्मघाती गोल किया। इसके अलावा मिस्लाव ओसीलिक ने 85वें और मारियो पासालिक ने 92वें मिनट में गोल किया। क्वार्टर फाइनल में स्पेन का सामना स्विट्जलैंड से होगा, जिसने मौजूदा विश्व चैम्पियन फ्रांस को 5-4 से हराकर अंतिम-8 दौर का टिकट कटाया है।

टी20 विश्व कप का अयोजन 17 अक्टूबर से यूएई और ओमान में होगा : आईसीसी

दुबई।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को पुष्टि करते हुए बताया कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का आयोजन इस साल 17 अक्टूबर से 14 नवंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ओमान में किया जाएगा। सोमवार को ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने कहा था कि वह टी20 विश्व कप का आयोजन भारत में नहीं कर सकेगा। हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) भारत से इस टूर्नामेंट को शिफ्ट किए जाने के बावजूद इसका मेजबान रहेगा। टी20 विश्व कप का आयोजन भारत में होना था लेकिन कोरोना के कारण इसे यूएई शिफ्ट किया गया। आईसीसी ने बयान जारी कर कहा, बीसीसीआई इस आयोजन का मेजबान बना रहेगा, जो अब दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम, अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम, शारजाह स्टेडियम और ओमान क्रिकेट अकादमी ग्राउंड में 17 अक्टूबर से 14 नवंबर 2021 तक आयोजित किया जाएगा। आईसीसी के कार्यवाहक सीईओ जिओफ अलार्डिस ने कहा, हमारी प्राथमिकता आईसीसी टी 20 विश्व कप को सुरक्षित आयोजित करने की है। हम इस बात से निराश हैं कि इसका आयोजन भारत में नहीं हो रहा है। इससे हमें स्पष्टता मिली कि हम इस टूर्नामेंट का आयोजन ऐसे देश में कराएं जहां बायो बबल वातावरण के तहत इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट का आयोजन हो सके। उन्होंने कहा, हम बीसीसीआई, अमीरात क्रिकेट बोर्ड और ओमान क्रिकेट बोर्ड के साथ काम कर रहे हैं जिससे यह सुनिशर्ि्चत किया जा सके कि प्रशंसक इस टूर्नामेंट का आनंद ले सकें। बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने कहा, भारतीय बोर्ड टी 20 विश्व कप का आयोजन यूएई और ओमान में कराने के लिए उत्सुक है। हमें खुशी होती, अगर हम इसका आयोजन भारत में करते लेकिन मौजूदा स्थिति को देखते हुए बीसीसीअई इस टूर्नामेंट की मेजबानी यूएई और ओमान में करेगा। इस टूर्नामेंट के लिए दुबई के इंटरनेशनल स्टेडियम, अबु धाबी के शेख जैयद स्टेडियम, शारजाह स्टेडियम और ओमान क्रिकेट अकादमी ग्राउंड को चयनित किया गया है। टूर्नामेंट के पहले राउंड में आठ क्वालीफाइंग टीमों को यूएई और ओमान के बीच विभाजित किया जाएगा। सुपर 12 के दौर में आगे बढ़ने वाली चार टीमों के साथ आठ क्वालीफायर शामिल होंगे।

भारतीय बैडमिंटन घरेलू सीजन जल्द शुरू होगा

नई दिल्ली।

भारतीय बैडमिंटन संघ (बाई) ने फैसला किया है कि वह 2021-22 के शेष घरेलू सीजन को जल्द से जल्द शुरू करेगा। मंगलवार को नए कोविड-19 दिशानिर्देशों की घोषणा करते हुए बाई ने कहा कि 18 वर्ष से अधिक उम्र के खिलाड़ियों, कोचों, तकनीकी अधिकारियों, आयोजन टीम और कर्मचारियों को कोरोना टीके की दोनों डोज लेनी होगी और टीकाकरण का प्रमाण पत्र ले जाने की आवश्यकता होगी। बाई ने बयान जारी कर कहा, 18 साल से कम उम्र के बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए बारकोड के साथ आरटी पीसीआर की नेगेटिव रिपोर्ट जरूरी होगी। सीजन की शुरूआत आयु वर्ग इवेंट के सीनियर रैंकिंग टूर्नामेंट के साथ होगी। घरेलू टूर्नामेंटों को संशोधित संरचना और 2.2 करोड़ रुपये की संशोधित पुरस्कार राशि के साथ इस साल अप्रैल में होना था, लेकिन कोरोना की दूसरी लहर के कारण टूर्नामेंट को स्थगित कर दिया गया। बयान में कहा, घरेलू सीजन को बाधित हुए एक साल से भी अधिक हो गया है। हमने इसे शुरू करने की कोशिश की थी लेकिन हालात ने इसकी इजाजत नहीं दी। अब हम यह सुनिशर्ि्चत करना चाहते हैं कि जब भी टूर्नामेंट शुरू हो, हम उस वक्त पूरी भागीदारी के साथ शुरू करें।

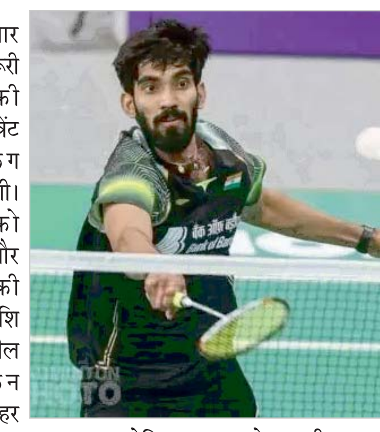

ओलंपिक से पहले आईबा ने निष्पक्ष खेल और सुधारों की गारंटी दी

ल्यूसाने।

अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग संघ (आईबा) ने टोक्यो ओलंपिक से पहले सुधारों की गारंटी दी है जिसके तहत उसने स्वत्रंत गर्वनेंस और वित्तीय ऑडिट की घोषणा की है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, संघ ने उलरिच हास को स्वत्रंत गर्वनेंस विशेषज्ञ नियुक्त किया है और इस बात की पुष्टि की है कि एक स्वत्रंत वित्तीय ऑडिट होगी। इसकी घोषणा आईबा के अध्यक्ष उमर क्रेमलेव ने यहां प्रेस वार्ता के दौरान की। हास, वर्तमान में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के गर्वनेंस सुधार का नेतृत्व कर रहे हैं। वह कानूनी और शासन विशेषज्ञों वाले एक स्वतंत्र समूह की अध्यक्षता करेंगे। समूह आईबा के वर्तमान गर्वनेंस ढांचे की समीक्षा, अंतरराष्ट्रीय अभ्यास के खिलाफ इन संरचनाओं का आकलन और आगे सुधार के लिए सिफारिशें जारी करेगा। क्रेमलेव ने कहा कि संघ ने प्रायोजन और अधिक वाणिज्यिक समर्थन की मदद से वित्तीय स्थिरता हासिल की है। उन्होंने कहा, आईबा दुनिया भर के मुक्केबाजों के लिए एक स्वागत योग्य, मजबूत और स्थिर होम बनने पर काम कर रहा है। हम यह कोशिश कर रहे हैं कि मुक्केबाज अपने भविष्य के बारे में सुनिश्चित हो सकें और निष्पक्ष निर्णय ले सकें। आईबा के महासचिव और दो बार के विश्व चैंपियन इस्तवान कोवाक्स ने कहा कि एसोसिएशन पारदर्शिता बढ़ाने और नीतियों के बारे में अधिक जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने जैसे सुधारों पर भी काम कर रहा है।

महिला क्रिकेट : सीरीज बचाने उतरेगी भारतीय टीम

टांटोन।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में मिली हार को भुलाकर भारतीय महिला टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में बुधवार को सीरीज बचाने उतरेगी। भारतीय टीम को पहले मैच में आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था और वह लड़ने लायक स्कोर भी खड़ा करने में नाकाम रही थी। भारत की स्मृति मंधाना और युवा खिलाड़ी शैफाली वर्मा टीम को अच्छी शुरूआत दिलाने में नाकाम रही थीं। हालांकि, कप्तान मिताली राज ने दम दिखाते हुए 72 रन बनाए थे जिसकी मदद से टीम 200 का स्कोर पार करने में सफल रही थी। इंग्लैंड को इस लक्ष्य को हासिल करने में ज्यादा मेहनत नहीं लगी और उसने आठ विकेट से इस मुकाबले को जीता था। भारतीय टीम को अपनी गेंदबाजी रणनीति पर विचार करने की जरूरत है। नए गेंदबाज टीम को शुरूआती सफलता दिलाने में नाकाम रहे, तो स्पिन जोड़ी काफी महंगी साबित हुई।दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम काफी संतुलित साइड दिख रही है। उनके पास कैथरिन ब्रंट और अन्या श्रुबसोले जैसे तेज गेंदबाज हैं जबकि लेफ्ट आर्म स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन भी काफी प्रभावी नजर आई हैं। भारतीय गेंदबाजों को इंग्लैंड के बल्लेबाजी से भी सावधान रहने की जरूरत है। टैमी ब्यूमोंट (नाबाद 87) और नताली स्काइवर (नाबाद 74) ने अर्धशतक जड़े थे और काफी खतरनाक साबित हुई थीं।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं :

इंग्लैंड : हीथर नाइट (कप्तान), फरान विल्सन, सोफिया डंकली, कैथरिन ब्रंट, नताली स्काइवर, मैडी विलियर्स, टैमी ब्यूमोंट, एमी एलेन जोन्स, लॉरेन विनफील्ड, एमिली एरलोट, कैट क्रॉस, फ्रेया डेविस, सफिया एक्लेस्टोन, नताशा फरांट, सराह ग्लेन और अन्या श्रुबसोले।

भारत : मिताली राज (कप्तान), स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर, पूनम राउत, प्रिया पुनिया, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, शैफाली वर्मा, स्नेह राणा, तानिया भाटिया, इंद्राणी रॉय, झूलन गोस्वामी, शिखा पांडे, पूजा वस्त्राकर, अरुं धति रेड्डी, पूनम यादव, एकता बिष्ट और राधा यादव।

संक्षिप्त समाचार

जिमनास्ट प्रणती ने हासिल किया ओलंपिक कोटा

नई दिल्ली। एशियाई चैंपियनशिप में वॉल्ट में कांस्य पदक जितने वाली प्रणती नायक ने टोक्यो ओलंपिक का कोटा हासिल कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय जिमनास्टिक महासंघ (एफआईजी) ने आधिकारिक रूप से इसकी घोषणा की। एशिया चैंपियनशिप जिसे मई में होना था, कोरोना के कारण इसे रद्द किया गया था। उसके बाद उन्होंने रिएलोकेशन के आधार पर कोटा हासिल किया। प्रणती के कोच लखन शर्मा ने आईएएनएस से कहा, हमें सोमवार की शाम जिमनास्टिक की अंतरराष्ट्रीय संस्था से इस बारे में पुष्टि मिली कि प्रणती को ओलंपिक में हिस्सा लेने के लिए कॉन्टिनेंटल कोटा रिएलोट किया गया है। गत एक मई को आईएएनएस ने रिपोर्ट में बताया था कि प्रणती को 2019 एशिया चैंपियनशिप में उनके प्रदर्शन के आधार पर एफआईजी रिएलोटेड कॉन्टिनेंटल कोटा दे सकता है। कोलकाता से आने वाली 26 वर्षीय जिमनास्ट ने मंगोलिया में हुए 2019 एशियाई चैंपियनशिप में वॉल्ट में कांस्य पदक जीता था। शर्मा ने कहा, प्रणती को रिएलोटेड कॉन्टिनेंटल कोटा इसलिए मिला है क्योंकि उन्होंने 2019 एशिया चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। 2020 के कई टूर्नामेंट कोरोना के कारण प्रभावित हुए थे। भारतीय जिमनास्टिक महासंघ (जीएफआई) के अनुसार, चूंकि टोक्यो में मई के अंतिम सप्ताह में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप को महामारी के कारण रद्द कर दिया गया था, जिसकी वजह से अप्रयुक्त कॉन्टिनेंटल कोटा केवल एशियाई क्षेत्र के योग्य एथलीट को फिर से आवंटित किया गया।

मनु भाकर ओलंपिक खत्म होने तक सोशल मीडिया से दूर रहेंगी

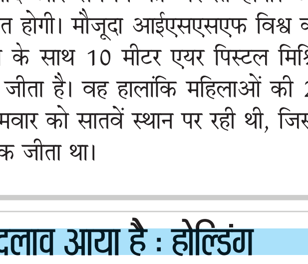

ओसियेक । ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व की तैयारी कर रही भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने 23 जुलाई से शुरू होने वाले तोक्यो खेलों के खत्म होने तक सोशल मीडिया से दूरी बनाने का फैसला किया है। उन्नीस साल की यह निशानेबाज ओलंपिक जाने वाली भारतीय टीम के अन्य सदस्यों के साथ अभी क्रोएशिया में अभ्यास कर रही है। भारतीय टीम यहां आईएसएसएफ विश्व कप में हिस्सा ले रही है। टीम मे शामिल निशानेबाज यही से ओलंपिक में भाग लेने के लिए तोक्यो रवाना होंगे। भाकर ने मंगलवार को ट्वीट किया कि मैं तोक्यो ओलंपिक की तैयारी के अंतिम चरण में प्रवेश कर रही हूं, ऐसे में अब ओलंपिक संपन्न होने तक सोशल मीडिया से दूर रहूंगी। देश को गौरवान्वित करने के लिए मुझे आपके प्यार, आशीर्वाद और समर्थन की जरूरत होगी। आप सभी से जल्दी ही मुलाकात होगी। मौजूदा आईएसएसएफ विश्व कप में भाकर ने सौरव चौधरी के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता है। वह हालांकि महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में सोमवार को सातवें स्थान पर रही थी, जिसमें राही सरनोबत ने स्वर्ण पदक जीता था।

बार्टी और मिनोर ओलंपिक के लिए ऑस्ट्रेलिया की टेनिस टीम में शामिल

सिडनी।

विश्व की नंबर-1 महिला टेनिस खिलाड़ी एश्ले बार्टी और विश्व रैंकिंग में 15वें नंबर के पुरुष खिलाड़ी एलेक्स डी मिनोर टोक्यो ओलंपिक के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा होंगे। ऑस्ट्रेलियन ओलंपिक समिति (एओसी) ने मंगलवार को बयान जारी कर बताया कि वह ओलंपिक में अब तक की सबसे बड़ी टेनिस टीम भेजेगा। इस बीच, 37 वर्षीय सामंता स्टोसुर पहले ऑस्ट्रेलियाई टेनिस खिलाड़ी बन जाएंगी जिन्होंने पांच ओलंपिक में हिस्सा लिया है। 2011 यूएस ओपन की विजेता सामंता और बार्टी के अलावा महिला एकल में अज्ला टॉमलजानोविक भी होंगी। बार्टी युगल वर्ग में स्टोर्म सेंडर्स जबकि सामंता एलेन पेरेज की जोड़ीदार होंगी। रियो ओलंपिक में हिस्सा ले चुके जॉन मिलमैन, निक किर्गियोस और जेम्स डकवर्थ मिनोर के साथ पुरुष एकल वर्ग में होंगे। युगल वर्ग में मिलमैन लुके साविले के जोड़ीदार होंगे जबकि जॉन पियर्स मिनोर के साथ खेलेंगे। 2004 एथेंस ओलंपिक में महिला एकल वर्ग में कांस्य पदक जीत चुकीं एलिसिया मोलिक महिला टीम की कप्तान होंगी जबकि राष्ट्रीय पुरुष कोच जयमोन क्रैब पुरुष टीम का नेतृत्व करेंगे। सामंता ने कहा, एक भी ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करना विशेष होता है और मैं पांच ओलंपिक में ऐसा करूंगी। मुझे अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है कि मैं वहां जाऊंगी।

फुटबॉलरों ने स्विटजरलैंड के जीत की सराहना की

बुचारेस्ट। दुनिया भर के विभिन्न फुटबॉलरों ने यूरो कप 2020 के अंतिम-16 के मुकाबले में विश्व चैंपियन फ्रांस को हराने पर स्विटजरलैंड की सराहना की है। स्विटजरलैंड ने फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराया और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जहां उनका मुकाबला स्पेन से होगा। शूटआउट के दौरान फ्रांस के स्ट्राइकर किलियान मबापे गोल करने में नाकाम रहे थे। इंग्लैंड के फुटबॉलर और कमेंटेटर गैरी लिनेकर ने ट्वीट कर स्विटजरलैंड के गोलकीपर यान सोमेर के बचाव की सराहना करते हुए कहा, क्या मैच था, क्या टूर्नामेंट है और क्या दिन था। उन्होंने कहा, स्विटजरलैंड सनसनीखेज रहा है और पहले मिनट से लेकर आखिरी मिनट तक आक्रमक रहने के लिए बड़े पैमाने पर श्रेय का पात्र है।एक अन्य इंग्लैंड के फुटबॉलर तथा लिवरपुल और रियल मैड्रिड के लिए खेलने वाले माइकल ओवेन ने कहा, फुटबॉल के लिए क्या दिन था। मुझे अपनी भविष्यवाणियों को अब संशोधित करना होगा कि फ्रांस बाहर है। एक तरफ जहां सोशल मीडिया पर मबापे पर मीम शेयर किए जा रहे हैं तो वहीं पेले ने मबापे का समर्थन किया। उन्होंने ट्वीट कर कहा, अपना सिर ऊंचा रखें मबापे। कल नई यात्रा का पहला दिन होगा। इस बीच, फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने कहा कि प्रशंसकों को असफल पेनल्टी के लिए मबापे की आलोचना नहीं करनी चाहिए।

ओडिशा सरकार ने खेलरत्न के लिए दुती के नाम की सिफारिश की

भुवनेश्वर । ओडिशा सरकार ने देश के सर्वोच्च खेल सम्मान राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार के लिए फर्राटा धाविका दुती चंद के नाम की सिफारिश की है। दुती के अलावा ओडिशा सरकार ने खेल मंत्रालय को पांच और नाम भेजे हैं। दुती ने ट्वीट किया कि मैं खेलरत्न पुरस्कार के लिए मेरा नाम भेजने पर ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की शुक्रगुजार हूं। आपका आशीर्वाद हमेशा बना रहे। दुती ने पिछले सप्ताह पटियाला में इंडियन ग्रां प्री 4 में 100 मीटर में अपना ही राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़कर 11.7 सेकंड का समय निकाला। वह ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने से 0.02 सेकंड से चूक गई। विश्व रैंकिंग के आधार पर उनका तोक्यो ओलंपिक खेलना तय है। दुती को पिछले साल अर्जुन पुरस्कार मिला था। ओडिशा सरकार ने तोक्यो ओलंपिक जा रही भारतीय हॉकी टीम के सदस्य बीरेंद्र लाकड़ा का नाम अर्जुन पुरस्कार के लिए, हॉकी कोच कालू चरण चौधरी का नाम द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए, पूर्व फर्राटा धाविका ओलंपियन अनुराधा बिस्वाल का नाम ध्यानचंद पुरस्कार के लिये भेजा है। राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार के लिये केआईआईटी डीम्ड यूनिवर्सिटी और ओडिशा खनन निगम के नाम भेजे गए हैं।

झूलन गोस्वामी ने कहा- विश्वकप को ध्यान में रखते हुए विकल्पों को आजमा रहें हैं

टांटन।

अनुभवी खिलाड़ी झूलन गोस्वामी ने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम इंग्लैंड श्रृंखला के आगामी मैचों और उससे बाद भी विभिन्न विकल्पों को आजमाना जारी रखेगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि न्यूजीलैंड में अगले साल होने वाले महिला विश्व कप में कौन सा संयोजन सबसे अच्छा होगा। भारतीय बल्लेबाजों ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में 180 से अधिक डॉट गेंद खेली। इसमें कप्तान मिताली राज, पूनम राउत और दीप्ति शर्मा जैसे अनुभवी मध्यक्रम के खिलाड़ियों को रन चुराने के लिए जूझना पड़ा। इंग्लैंड की महिला टीम ने दो विकेट के नुकसान पर 202 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। टीम की उपकप्तान हरमनप्रीत कौर के बल्लेबाजी क्रम पर पूछे गए सवाल का झूलन से साफ जवाब नहीं दिया लेकिन कहा कि अगले साल न्यूजीलैंड में होने वाले विश्व कप से पहले कई विकल्प आजमाए जाएंगे। झूलन ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे महिला एकदिवसीय की पूर्व संध्या पर कहा कि हम अपने संयोजन को ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं। हम कुछ विकल्प तलाशने की कोशिश कर रहे हैं। अब हमारे लिए कौन से विकल्प सही रहेंगे, हम उसी की तलाश कर रहे हैं। जो कुछ भी होगा (विकल्पों को हम अंतिम रूप देने के मामले में), प्रबंधन विश्व कप से पहले फैसला करेगा। विश्व कप से पहले हम कुछ चीजों को व्यवस्थित करने की कोशिश कर रहे हैं। उम्मीद है कि आने वाले मैचों में, आने वाली श्रृंखला में हम उन सभी चीजों को सुलझा लेंगे। झूलन का मानना है कि युवा शेफाली वर्मा से अधिक उम्मीद कर दबाव नहीं बनाना चाहिए। वह इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि मध्य-क्रम लय हासिल कर प्रभावी प्रदर्शन करेगा। शेफाली का वह पहला ही मैच था। उसने अभी पदार्पण किया है। हम उससे इतनी उम्मीदें कर रहे है क्योंकि उसने अब तक काफी प्रभावित किया है। हमें शीर्ष तीन बल्लेबाजों में से किसी एक से बड़ी पारी की जरूरत है। हरमन (कौर) को भी एक अच्छी पारी की जरूरत है। मध्यक्रम से एक अच्छी पारी की जरूत है। झूलन ने कहा कि गेंदबाजी इकाई को भी सुधार करने की जरूरत है क्योंकि टैमी ब्यूमोंट और नेट स्किवर ने लगभग 100 के स्ट्राइक रेट से बिना किसी परेशानी के रन जुटाए। ईमानदारी से कहूं तो हमें एक गेंदबाजी इकाई के रूप में मजबूती से वापसी करने की जरूरत है। हमने बहुत सी चीजों पर चर्चा की है, उम्मीद है कि हम इसे सुलझा लेंगे और मजबूती से वापसी करेंगे।

भारतीय टीम के फिटनेस स्तर में बड़ा बदलाव आया है : होल्डिंग

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज और कमेंटेटर माइकल होल्डिंग का मानना है कि जब वह 70 और 80 के दशक में भारत के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते थे, तब से लेकर आज तक उन्होंने भारतीय टीम के फिटनेस स्तर में बड़ा बदलाव देखा है। होल्डिंग ने सोमवार को इंडियन एक्सप्रेस को बताया, ठीक है, जब भारतीय क्रिकेट की बात आती है तो यह एक बिल्कुल अलग युग है। जब मैं भारत के खिलाफ खेला, तो शायद दो खिलाड़ी फिट थे। अब मैदान पर हर कोई फिट है। आप देखते हैं कि वे कितने एथलेटिक हैं, वे कितने गतिशील हैं। 60 टेस्ट में 249 विकेट लेने वाले 67 वर्षीय ने कहा कि कौशल का स्तर उनके समय के समान ही था, लेकिन अब रवैया में बदलाव और फिटनेस के कारण परिवर्तन अधिक था। होल्डिंग ने कहा, कौशल का स्तर वास्तव में इतना नहीं बदला है, लेकिन जब आपके पास फिटनेस, और कौशल स्तर के साथ-साथ दृष्टिकोण में बदलाव होगा, तो जाहिर है कि क्रिकेट भी बदलेगा। होल्डिंग ने भारतीय क्रिकेट में सुधार के लिए पिचों की गुणवत्ता को भी जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, जिस चीज ने भारतीय क्रिकेट को भी मदद की है, वह यह है कि भारत में घरेलू क्रिकेट और सामान्य रूप से क्रिकेट के लिए बहुत सारी पिचों में सुधार हुआ है। गेंद बहुत अधिक उछालती है और इसी कारण बल्लेबाज विदेशी पिचों पर सामना करने में सक्षम होते हैं।

आर्ट्स स्ट्रीम के विद्यार्थियों के लिए भी पिछले कुछ वर्षों में कैरियर संभावनाओं का विस्तार हुआ है. इसलिए अब प्रतिभावान छात्रों ने भी 12वीं से ही इस ओर रुख करना शुरू कर दिया है. जाहिर है, आर्ट्स स्ट्रीम की 12वीं की बोर्ड परीक्षा को हल्के में लेना आपके कैरियर के लिए घातक हो सकता है. इस अंक में आप विस्तार से जानेंगे कि बाकी बचे दिनों में आर्ट्स स्ट्रीम के प्रमुख विषयों की तैयारी कैसे करें.

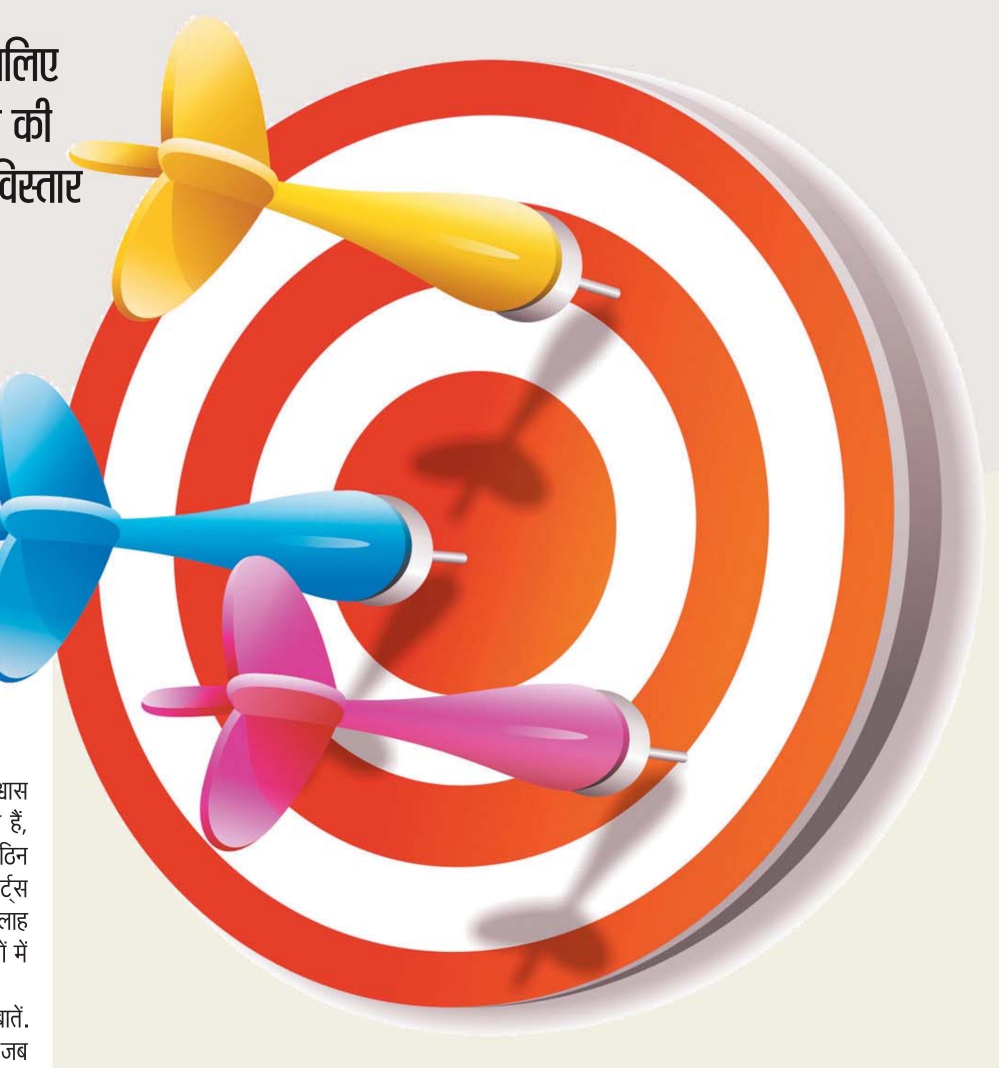

जानें आर्ट्स की तैयारी की कला

बारहवीं की परीक्षा महज एक परीक्षा नहीं होती, बल्कि यह किसी छात्र के भविष्य की बुनियाद तैयार करती है. बारहवीं कक्षा में अपने लिए विषय चयन के साथ ही छात्र तय करते हैं कि उन्हें आगे चल कर क्या करना है और उनके इस लक्ष्य को पूरा करने में बारहवीं बोर्ड परीक्षा के अंकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है.

बोर्ड परीक्षा में अब ज्यादा दिन शेष नहीं बचे हैं, इसलिए इसे लेकर छात्रों में उहापोह स्वाभाविक है. लेकिन यही वह वक्त है, जब आप अपनी अब तक की तैयारी को पूरे आत्मविश्वास के साथ अंतिम रूप प्रदान करें. परीक्षा कोई भी हो, उसमें परीक्षार्थियों के आत्मविश्वास की अहम भूमिका होती है. आम तौर पर देखा गया है कि बोर्ड परीक्षा नजदीक आने पर बहुत से विद्यार्थियों के मन में परीक्षा पैटर्न, मार्किंग स्कीम, प्रमुख प्रश्नों, मॉडल/ सैंपल पेपर्स, टाइम टेबल आदि को लेकर बेचैनी पैदा होने लगती है. कुछ विद्यार्थी अपने आत्मविश्वास के दम पर इस समस्या से आसानी से निजात पा लेते हैं, जबकि कुछ के लिए इस स्थिति से गुजरना बेहद कठिन साबित होता है. आज हम अवसर की कवर स्टोरी में आर्ट्स स्ट्रीम के विषयों की तैयारी के लिए विशेषज्ञों की सलाह प्रस्तुत कर रहे हैं, जो परीक्षा से पहले के शेष कुछ दिनों में आपके लिए मददगार हो सकती है.

विषयवार तैयारी की जानकारी से पहले कुछ जरूरी बातें. आर्ट्स विषयों में छात्रों को अधिक अंक तभी मिलते हैं, जब प्रस्तुतीकरण, तथ्यों, चित्र और आंकड़ों की कसौटी पर वे पूरी तरह से खरे उतरें. 12वीं में आर्ट्स स्ट्रीम के विषय सरसरी तौर पर देखने में भले ही आसान प्रतीत होते हों, लेकिन इसमें छात्रों को अन्य स्ट्रीम की अपेक्षा अधिक लिखना होता है. इसलिए बोर्ड परीक्षा की तैयारी के दौरान ही यह तय करें कि आपको पहले किस तरह के प्रश्नों को हल करना हैं. इस संदर्भ में यह कहा जा सकता है कि ज्यादातर छात्र पहले उन्हीं प्रश्नों को हल करते हैं, जो उन्हें अच्छी तरह से याद हों. पेपर हल करने का सही तरीका भी यही है. इस पद्धति से छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ता है और समय की भी बचत होती है.

इसके अलावा प्रश्नों का उत्तर लिखते समय तिथियों को लिखने में सावधानी बरतें. जो तथ्य बेहद महत्वपूर्ण लगे, उसे अंडरलाइन कर दें. जहां उदाहरण देना अथवा कोट लिखना जरूरी हो वहां इसे जरूर लिखें. आर्ट्स के ज्यादातर पेपरों की प्रकृति विस्तृत होती है, इसलिए छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे इन्हें हल करते समय अपने विचारों को खुला रखें. आर्ट्स के विभिन्न विषयों की तैयारी के लिए एनसीइआरटी की पुस्तकों को बहुत ही कारगर माना जाता है. इसलिए छात्र अध्ययन और तैयारी में उन्हें अवश्य शामिल करें. बोर्ड परीक्षा के लिए शेष बचे समय में अपने टाइम टेबल को कुछ इस तरफ बनाएं कि सभी महत्वपूर्ण चीजों का पर्याप्त रिवीजन हो सके.अगर आपने सालभर पढ़ाई का रुटीन सही रखा है और सभी विषयों का कोर्स पूरा हो चुका है, तो अब आपको टाइम टेबल में कुछ ऐसे अध्यायों को भी जोड़ना चाहिए, जो आपको कुछ कठिन लगते हों. इससे उन चैप्टर्स की तैयारी बेहतर की जा सकती है. रिवीजन की रणनीति इस तरह बनाएं कि ज्यादा अंकों के टॉपिक्स समय से पहले तैयार हो जायें. इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और परीक्षा से जुड़ा दबाव कम होगा.

बुलंद हौसले से पार होगी आर्ट्स स्ट्रीम की नैया

बोर्ड परीक्षा से पहले के कुछ दिनों में आर्ट्स स्ट्रीम के विषयों की तैयारी के लिए सही रणनीति और बेहतर समय प्रबंधन की आवश्यकता होती है. बचे हुए दिनों में कैसे करें आर्ट्स के प्रमुख विषयों की तैयारी, जानते हैं इस आलेख में.

अर्थशास्त्र

संख्यात्मक प्रश्नों का अध्ययन

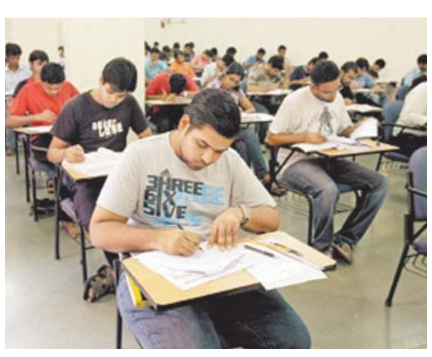

अर्थशास्त्र के अध्ययन में देश की समस्त आर्थिक नीतियों, अर्थव्यवस्था आदि बिंदुओं को शामिल किया जाता है. इस विषय में छात्रों की समझ विकसित हो जाये, तो उन्हें परीक्षा में पूरे अंक मिलते हैं. विशेषज्ञों की मानें तो अर्थशास्त्र एक कंज्यूमर बिहैवियर की तरह है. इसके अंतर्गत उपभोक्ताओं के सोच को रखा जाता है. अर्थशास्त्र में थ्योरी व न्यूमेरिकल दोनों का मिश्रण होता है. अच्छे अंक पाने के लिए छात्र एक सधी रणनीति के तहत परीक्षा की तैयारी करें. 12वीं कक्षा के अर्थशास्त्र को दो भागों में बांटा जा सकता है- माइक्रो इकोनॉमिक्स व मैक्रो इकोनॉमिक्स.

माइक्रो इकोनॉमिक्स में जहां अर्थव्यवस्था की केंद्रीय समस्याएं अनधिमान वक्र विषण से उपभोक्ता के संतुलन का अध्ययन, मांगी गयी मात्र में परिवर्तन व मांग में परिवर्तन में अंतर, स्थिर व परिवर्तित लागत में अंतर, एमसी-एआर में संबंध, मांग को मापने की विधियां, बाजार पूर्ति का अर्थ, मांग व पूर्ति के खिसकाव का संतुलन, पूर्ण प्रतियोगिता बाजार, कीमत पर प्रभाव आदि बिंदुओं को शामिल किया जाता है, वहीं मैक्रो इकोनॉमिक्स में आय के संतुलन स्तर का निर्धारण, अभावी व अतिरेक मांग, मुद्रा के कार्य, व्यापारिक बैंकों द्वारा साख सृजन, केंद्रीय बैंकों को कार्य, बजट का अर्थ, पूंजीगत व्यय का अर्थ, विदेशी विनियम दर का अर्थ व निर्धारण, व्यापार संतुलन के घटक आदि से प्रश्न पूछे जाते हैं. छात्रों को चाहिए कि वे आय की गणना के संख्यात्मक प्रश्नों की तैयारी अवश्य करें. कई बार प्रश्नों को हल करते समय रेखाचित्रों का प्रयोग जरूरी होता है. छात्र इसके प्रयोग में कोताही न बरतें. रेखाचित्र बनाने के लिए आपको अंश का सटीक नामांकन होना चाहिए और चित्र का अनुपात सही होना चाहिए.

महत्वपूर्ण

रेखाचित्र बनाने में पेंसिल का प्रयोग करें.
उत्तर में मुख्य बिंदुओं को रेखांकित करें.
ग्राफ का नियमित अभ्यास जरूरी.
न्यूमेरिकल के लिए नियमित अभ्यास करें.
प्रश्नों को चुनते समय सावधानी बरतें.

इतिहास

घटनाओं को जरूर याद रखें

इतिहास का अध्ययन वर्तमान और भविष्य को समझने में मदद करता है. इसके साथ ही यह सामाजिक परिवर्तनों पर भी गहराई से प्रकाश डालता है. जरूरी बात है कि यदि इसकी तैयारी अच्छी तरह की जाये, तो भविष्य के लिए अच्छा होता है. अतीत की घटनाओं को वर्तमान समय की कसौटी पर कसने में इससे काफी मदद मिलती है. इसमें अच्छे अंक लाने के लिए अपने पाठ्यक्रम को भलीभांति पढ़ें. फिर अपनी रणनीति बनाएं. भले ही इसका पाठ्यक्रम विस्तृत हो, लेकिन छात्रों को इसका उत्तर तय शब्दों में देना होता है. धर्म का इतिहास, भक्ति व सूफी संतों के आचार-विचार, विजय नगर की राजनीतिक व्यवस्था, वास्तुकला, उपनिवेशवाद व ग्रामीण समाज, महात्मा गांधी का राष्ट्रीय आंदोलन, विभाजन व संविधान का निर्माण आदि का अध्ययन पूरी तन्मयता से करें. अध्ययन के समय महत्वपूर्ण तिथियों, घटनाचक्र, ऐतिहासिक कड़ियों को एक जगह नोट करते जाएं. इसके अलावा राजवंशों के कालचक्र में विदेशी यात्रियों के यात्र वृत्तांत को ध्यान से पढ़ें और उनके अनुभवों को अपने शब्दों में लिखने का अभ्यास करें. इन ऐतिहासिक तथ्यों को एक कहानी के रूप में समझने का प्रयास करें. इससे वे आपके मानस पटल पर अंकित हो जायेंगे. जहां जरूरी हो वहां मैप का अध्ययन करें, क्योंकि परीक्षा में मैप आधारित प्रश्न भी होते हैं. कुछ प्रश्न विस्तृत होने के अलावा वैल्यूबेस्ड होते हैं. इनका उत्तर आप अच्छे से देते हैं, तो इसके पूरे अंक मिलते हैं. पैसेज से संबंधित प्रश्नों के लिए पुराने प्रश्नपत्रों को हल करने की कोशिश करें.

महत्वपूर्ण

अपना कांसेप्ट क्लीयर रखें.
तिथियों व घटनाओं को तिथिवार याद रखें.
नपे-तुले शब्दों में उत्तर लिखने की कोशिश करें.
पुराने प्रश्नपत्र व मॉडल पेपर हल करें.
मैप का नियमित अभ्यास करें.

राजनीति विज्ञान

कम शब्दों में स्पष्ट करें

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में राजनीति विज्ञान बहुत मायने रखता है. यदि छात्र की रुचि इसमें है, तो यह विषय आगे चल कर उनके कैरियर पर रोचक प्रभाव छोड़ता है. इसकी तैयारी के लिए समसामयिक जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है. इसलिए देश-विदेश की घटनाओं व प्रमुख हलचलों के प्रति अपडेट रहें. एनसीइआरटी की पुस्तकें इसमें बेहद कारगर होती हैं. इस विषय को दो पुस्तकों में बांटा गया है. समकालीन विश्व राजनीति व स्वतंत्र भारत की राजनीति. इन दोनों के अंक समान हैं और दोनों का अध्ययन भी अनिवार्य है. विश्व राजनीति में मुख्यतः अमेरिकी वर्चस्व, सत्ता के वैकल्पिक केंद्र, समकालीन दक्षिण एशिया आदि से अधिक प्रश्न पूछे जाते हैं. जबकि स्वतंत्र भारत में राष्ट्र निर्माण की चुनौतियां, नियोजित विकास की राजनीति, आपातकाल के कारण व परिणाम, संयुक्त राष्ट्र एवं भारत की विदेश नीति से कई प्रश्न पूछे जाते हैं. छात्रों को चाहिए कि राजनीति के सिद्धांतों, अवधारणाओं, चुनौतियों आदि को अच्छी तरह समझें. इसमें शुरू के जो 15 मिनट प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए मिलते हैं, उसी समय उसे हल करने की रूपरेखा भी तैयार कर लें.

इस विषय में चार तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं. एक-एक अंक के 10 प्रश्न, दो-दो अंक के 10 प्रश्न, चार-चार अंक के 10 प्रश्न और छह अंक वाले पांच प्रश्न शामिल होते हैं. ध्यान से पढ़ने के साथ ही छात्रों के लिए यह जरूरी होता है कि वे यह देखें कि वास्तव में प्रश्न में पूछा क्या गया है. उत्तर लिखते समय जो बिंदु जरूरी लगे, उसे अंडरलाइन करते जायें.

महत्वपूर्ण

प्रश्नों को समय के अनुसार बांट लें.
उत्तर देते समय शब्दों की सीमा पर विशेष ध्यान दें.
हेडिंग को मोटे अक्षरों में लिखें.
सरल व आसान भाषा में लिखें.
जहां जरूरी हो, वहां चित्र व कारटून का प्रयोग करें.

गृह विज्ञान

लें आधारभूत जानकारी

आर्ट्स संकाय में गृहविज्ञान अत्यंत उपयोगी एवं महत्वपूर्ण विषय है. इसके अंतर्गत घर के प्रबंधन से लेकर शिशुओं व बुजुर्गों की देखभाल का अध्ययन किया जाता है. कई प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का दारोमदार भी इसी पर होता है. इसका अध्ययन जीवन के कई मौकों पर काम आता है. इसकी तैयारी के क्रम में छात्रों को सबसे पहले उन्हें विषय की आधारभूत जानकारी से अवगत होना जरूरी है. इसमें गृह विज्ञान का इतिहास, विकास में योगदान, सिद्धांत, ह्यूमन फिजियोलॉजी आदि के बारे में सही जानकारी हासिल की जाती है. प्रसार शिक्षा, आहार एवं पोषण, वस्त्र विज्ञान व परिधान, गृह प्रबंध एवं आंतरिक सज्जा, बाल विकास एवं पारिवारिक संबंध इसके प्रमुख भाग हैं. इस विषय के 100 अंकों में से 30 अंक प्रैक्टिकल और 70 अंक थ्योरी के होते हैं. इसमें सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं से प्रश्न आ सकते हैं.

महत्वपूर्ण

कोई टॉपिक छूटे नहीं.
रटने की बजाय समझने का प्रयास करें.
पुराने प्रश्नपत्रों को हल करने की आदत डालें.
जो प्रश्न नहीं आता है, उसे छोड़ कर आगे बढ़ जायें.
प्रमाणित सामग्री से ही अध्ययन आरंभ करें.

भूगोल

एनसीइआरटी की पुस्तकें तैयारी में सहायक

कला विषयों में भूगोल एक ऐसा विषय है जो छात्रों को न सिर्फ 12वीं की परीक्षा में अच्छे अंक दिलाता है, बल्कि आगे चल कर सिविल व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का आधार बनता है. इसकी खासियत यह भी है कि मौसम का आकलन, जनसंख्या, नगर नियोजन, आर्थिक नियोजन, जीपीएस, उपग्रह प्रणाली, आधुनिक व विकसित संचार प्रणाली में इसका ज्ञान काफी सहूलियत प्रदान करता है. इसमें मुख्य रूप से नगरीय व ग्रामीण जनसंख्या, आंकड़ों संबंधी जानकारी, रॉ मटेरियल क्लाइमेट, रोड ट्रांसपोर्ट, कृषि अध्याय से संबंधित विभिन्न कृषि व डेयरी आदि की जानकारी रखनी पड़ती है. जबकि प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए मिन्स, मीडियन व मोड के बारे में अच्छे तरीके से समझ लें. मानचित्रों के अभ्यास में कोई कोताही न बरतें अन्यथा आपकी पूरी मेहनत बेकार हो सकती है. पंचवर्षीय योजनाओं सहित सूखा संभावित क्षेत्रों और पहाड़ी क्षेत्रों के विकास के लिए भारत सरकार द्वारा उठाये गये कदम का विस्तृत अध्ययन करें. रेखाचित्रों पर नाम अंकित करने के लिए भारत के प्रमुख पत्तन, वायु पत्तन, कृषि राज्यों के नाम, कोयला व लोहा क्षेत्र, सॉफ्टवेयर पार्क, नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र आदि प्रमुख शहरों का अभ्यास करें. विभिन्न प्रदेशों में उत्पादित होने वाले विभिन्न वस्तुओं पर भी प्रश्न पूछे जाते हैं, इनका अध्ययन कुंजी बना कर करें.

महत्वपूर्ण

लिख कर प्रश्नों का उत्तर देने का अभ्यास करें. आंकड़ों पर आधारित प्रश्नों का उत्तर देते समय सावधानी बरतें.
त्नविज्ञान से संबंधित पत्रिकाओं का अध्ययन जरूरी.
प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए भी कमर कसें.
रेखाचित्रों पर नाम अंकित करने का अभ्यास करें.

सच्ची प्रशंसा पाने का सही तरीका

लोगों के हाथों अपनी प्रसन्नता-अप्रसन्नता बेच नहीं देनी चाहिए। कोई प्रशंसा करे तो हम प्रसन्न हों और निंदा करने लगे तो दुखी हो चलें। यह तो पूरी पराधीनता हुई। हमें इस संबंध में पूर्णतया अपने ही ऊपर निर्भर रहना चाहिए और निष्पक्ष होकर अपनी समीक्षा आप करने की हिम्मत इकट्ठी करनी चाहिए। निंदा से दु:ख लगता हो तो अपनी नजर में अपने कामों को ऐसे घटिया स्तर का साबित न होने दें। जिसकी निंदा करनी पड़े। यदि प्रशंसा चाहते हैं तो अपने कार्यों को प्रशंसनीय बनाएं। सच्ची प्रशंसा पाने का सही तरीका एक ही है की अपने को दिन-दिन सुधारते चले जाएं और भावना तथा क्रिया की दृष्टि से उस स्तर पर जा पहुंचे जिस पर पहुंचने में आत्मसंतोष प्राप्त होता है और आतंरिक उल्लास प्रस्फुटित होता है। अपनी दृष्टि में अपना प्रशंसित होना सारे संसार के मुंह से गाई जाने वाली प्रशंसा की अपेक्षा कहीं बेहतर है। जीवन की यात्रा के दौरान यदि व्यक्ति को प्रशंसा मिलती है तो उसका अपने कार्य के प्रति उत्साह बढ़ जाता है और वे अधिक ऊर्जा से अपने कर्तव्य का निर्वाह करता है। निंदा जहां होती है, खुशी वहां से पलायन कर जाती है। जिनका स्वभाव है निंदा करना, वे किसी भी परिस्थिति में निंदा प्रवृत्ति का त्याग नहीं कर सकते हैं इसलिए समझदार इंसान वही है जो ऐसे लोगों द्वारा की गई विपरीत टिप्पणियों की उपेक्षा कर अपने काम में मस्त रहता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

टेक्सास में प्राकृतिक गैस की पाइप लाइन में जोरदार धमाका, दो लोगों की मौत

फार्मर्सविल। अमेरिका के टेक्सास में प्राकृतिक गैस की एक पाइपलाइन में विस्फोट होने से दो लोगों की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि धमाका सोमवार दोपहर बाद करीब चार बजे डलास के उत्तर पूर्व में लगभग 35 मील (56 किलोमीटर) दूर फार्मर्सविल के निकट कॉलिन काउंटी में एटमस एनर्जी केन्द्र में हुआ। कॉलिन काउंटी के अधिकारी जिम स्किनर ने कहा कि विस्फोट दुर्घटना प्रतीत होता है, लेकिन उन्होंने जांच में सहयोग के लिये एफबीआई को बुलाया है। विस्फोट का कारण तत्काल पता नहीं चल पाया है।

पाकिस्तान के लाहौर में धमाका, कई सिलेंडर फटे, दुकानें भी क्षतिग्रस्त

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के लाहौर स्थित बरकत बाजार में बड़ा धमाका हुआ है। बताया जा रहा है कि बरकत बाजार में कई सिलेंडर एकसाथ फट गए। जिसकी वजह से कई दुकानें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। पाकिस्तानी मीडिया ने इसकी जानकारी की। समाचार एजेंसी एएनआई ने पाकिस्तानी मीडिया के हवाले से बताया कि लाहौर के बरकत मार्केट में कई सिलेंडर फट गए। जिसकी वजह से दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं हैं। हालांकि अभी ज्यादा जानकारी प्राप्त नहीं हुई है।

हफीज सईद के घर के पास हुआ था ब्लास्ट

इससे पहले लाहौर में आंतकवादी हफीज सईद के घर के पास में धमाका हुआ था। जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई थी। यह धमाका जौहर टाउन इलाके में हुआ था। जिसकी वजह से लोग दहशत में आ गए थे और आज एक बार फिर से लाहौर से धमाके की खबर सामने आई है।

पाक ने इमरान खान के पूर्व शीर्ष सहयोगी की इजराइल यात्रा संबंधी मीडिया की खबर खारिज की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने सोमवार को मीडिया में आयी एक खबर को ''भ्रामक'' बताते हुए उसे खारिज कर दिया कि प्रधानमंत्री इमरान खान के विश्वासपात्र और उनके एक पूर्व शीर्ष सहयोगी ने इजरायल की गोपनीय यात्रा की थी। इजराइल के साथ पाकिस्तान के राजनयिक संबंध नहीं हैं। हिब्रू अखबार 'इजराइल ह्योम' ने इस्लामाबाद में एक अज्ञात स्रोत के हवाले से एक रिपोर्ट में दावा किया कि विदेशी पाकिस्तानियों के मुद्दे पर प्रधानमंत्री के पूर्व विशेष सहायक, जुल्फी बुखारी ने पिछले नवंबर में यहूदी देश की यात्रा की थी और इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के प्रमुख से भी मुलाकात की। बुखारी ने इन खबरों का खंडन किया है और कहा है कि वह इजराइल नहीं गये। उन्होंने ट्वीट किया, ''हास्यास्पद बात यह है कि पाकिस्तान के अखबार भी 'इजराइली समाचार स्रोत' के आधार पर कह रहे हैं कि मैं इजराइल गया था और इजराइल के अखबार 'पाकिस्तानी स्रोत' के आधार पर कहते हैं कि मैं इजराइल गया था। हैरान हूं कि आखिर यह पाकिस्तानी स्रोत है कौन।'' पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने भी इस खबरको खारिज किया है।

एस जयशंकर ने यूरोपीय संघ के अधिकारी व दक्षिण अफीका के विदेश मंत्री के साथ चर्चा की

रोम। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के लिए यूरोपीय संघ की आयुक्त जुट्टा उरपिलेनेन से मुलाकात करके कोविड चुनौती और समान टीका पहुंच के संबंध में चर्चा की और एक उचित यात्रा व्यवस्था के महत्व को भी रेखांकित किया। दो राष्ट्रों के दौरे के दौरान जयशंकर सोमवार को यूनान से इटली पहुंचे। जयशंकर ने जुट्टा उरपिलेनेन के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए ट्वीट किया और कहा, कोविड चुनौती, हमारी संपर्क साझेदारी और विकास सहयोग पर चर्चा की। समान टीका पहुंच और एक उचित यात्रा व्यवस्था के महत्व को भी रेखांकित किया। भारतीय विदेश मंत्री ने आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के महासचिव माथिअस कॉरमैन के साथ भी मुलाकात की और भारत-ओईसीडी द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। ओईसीडी 38 सदस्य देशों का एक अंतरसरकारी आर्थिक संगठन है, जिसकी स्थापना 1960 में आर्थिक प्रगति और विश्व व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए की गई थी। इसके अलावा एक अन्य बैठक में जयशंकर ने अपनी दक्षिण अफीकी समकक्ष नालेडी पैंडर के साथ टीके की समान पहुंच संबंधी चिंताओं पर चर्चा की।

सीरिया में अमेरिकी बलों पर रॉकेट हमले हुए, कोई हताहत नहीं

वाशिंगटन। पूर्वी सीरिया में सोमवार को अमेरिकी सैनिकों पर रॉकेट हमला हुआ, जिसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। एक दिन पहले ही, रविवार को अमेरिका ने इराक और सीरिया के बीच सीमा के निकट ''ईरान समर्थित मिलिशिया समूहों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले ठिकानों'' को निशाना बनाकर हवाई हमले किए थे। ईराक की सेना ने अमेरिकी हमलों की निंदा की थी और मिलिशिया समूहों ने अमेरिका से बदला लेने की बात कही थी। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने कहा था कि ये मिलीशिया समूह इराक में अमेरिकी बलों के खिलाफ मानवरहित यान से हमला करने के लिए इन ठिकानों का इस्तेमाल कर रहे थे। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के नेतृत्व वाले प्रशासन द्वारा इलाके में किया गया दूसरा हमला था। ऐसा कोई संकेत नहीं था कि रविवार को किए गए हमले सीमावर्ती क्षेत्र में अमेरिका के एक व्यापक और जारी रहने वाले हवाई अभियान का हिस्सा हैं। लेकिन बगदाद में अमेरिकी सैन्य मिशन के प्रवक्ता कर्नल वायने मारोट्टो ने ट्विटर पर सोमवार को लिखा कि सुबह सात बजकर 44 मिनट (स्थानीय समयानुसार) पर ''सीरिया में अमेरिकी बलों पर रॉकेट से कई हमले हुए।'' उन्होंने बताया कि इन हमलों में कोई हताहत नहीं हुआ और अब इनसे हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। मोरोट्टो ने बाद में फिर से ट्वीट करके बताया कि सीरिया में हमला होने पर अमेरिकी बलों ने आत्मरक्षा में तोप से गोले दागे।

जयशंकर ने जी20 में कहा, कोविड की चुनौती का जवाब अंतरराष्ट्रीय सहयोग है

मटेरा (इटली)। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि कोविड-19 महामारी द्वारा मिल रही चुनौती का जवाब अंतरराष्ट्रीय सहयोग है। जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक को यहां संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा, 'वो चाहे टीका, दवा, पीपीई किट या ऑक्सीजन हों, कोविड की चुनौती का जवाब अंतरराष्ट्रीय सहयोग है। ज्यादा की जरूरत है, कम नहीं।' उन्होंने कहा, 'संस्थागत बहुपक्षवाद की कमी पाई गई। सुधारों के कई स्वरूप हो सकते हैं किंतु फौरी परीक्षा सभी को समान रूप से टीका देने की है। वास्तविक अर्थव्यवस्था को विनिर्माण, खाद्य और स्वास्थ्य समेत विकेंद्रीकृत वैश्वीकरण की जरूरत है। समानांतर लचीली आपूर्ति श्रृंखला विकसित होनी चाहिए।' उन्होंने कहा, 'हमारे ग्रह की पूर्ण विविधता को वैश्विक नीति निर्माण में सटीक तौर पर परिलक्षित होना चाहिए।'

अमेरिका के जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के अब तक तीन करोड़ से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं जबकि चार लाख लोग इस महामारी की वजह से जान गंवा चुके हैं। वहीं दुनिया भर में संक्रमण के 18 करोड़ से ज्यादा मामले सामने आए हैं जबकि करीब 40 लाख लोगों की इससे जान गई है। अपने दो देशों के दौरे के दूसरे चरण में जयशंकर जी20 मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने यूनान से इटली पहुंचे थे। जी20 शिखर सम्मेलन अक्टूबर में इटली में होना निर्धारित है। भारत के 2022 में जी20 की अध्यक्षता करने की उम्मीद दै। जी20 दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को साथ लाने वाला एक प्रभावशाली समूह है। अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, जापान, भारत, इंडोनेशिया, इटली, मैक्सिको, रूस, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ जी20 के सदस्य देश हैं।

अमेरिका की स्पेलिंग बी प्रतिस्पर्धा के अंतिम 11 प्रतिभागियों में से नौ भारतीय-अमेरिकी

वॉशिंगटन। अमेरिका में इस साल आयोजित होने वाली 'स्पेलिंग बी' प्रतिस्पर्धा के लिए चुने गए अंतिम 11 प्रतिभागियों में नौ भारतीय-अमेरिकी हैं, जो इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में इस छोटे जातीय समुदाय के बच्चों के प्रभुत्व को दर्शाता है। एक बयान में सोमवार को बताया गया कि 11 प्रतिभागी आठ जुलाई को '2021 स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी फाइनल्स' के दौरान खिताब जीतने के लिए आमने-सामने होंगे। बी के कार्यकारी निदेशक डॉ जे माइकल डर्निल ने कहा, '' '2021 स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी' के अंतिम चरण में पहुंचने वाले प्रतिभागियों की घोषणा करना हमारे लिए गौरव की बात है। इन प्रतिभागियों ने चरण दर चरण हर स्तर पर अपनी योग्यता साबित की। हम उत्सुक हैं कि हमें उनके ज्ञान और कड़ी मेहनत को देखने का मौका मिलेगा।'' इस साल की प्रतियोगिता के अंतिम दौर की मेजबानी फ्लोरिडा के ऑरलैंडो के पास वॉल्ट डिज्नी वर्ल्ड रिज़ॉर्ट में ईएसपीएन वाइड वर्ल्ड ऑफ़ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में की जाएगी और ईएसपीएन 2 पर इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा। पिछले 20 वर्षों से स्पेलिंग बी प्रतियोगिता में भारतीय-अमेरिकियों का दबदबा रहा है, जबकि वे अमेरिका की आबादी का केवल एक प्रतिशत ही हैं।

अमेरिका में इमारत ढहने की घटना के बाद 150 लोग लापता, भारतवंशी दंपति और बच्चा भी शामिल

ह्यूस्टन/लंदन। अमेरिका के फ्लोरिडा प्रांत में बृहस्पतिवार को 12 मंजिला आवासीय इमारत के एक हिस्से के ढहने की घटना के बाद 150 से अधिक लोग लापता हैं जिसमें एक भारतवंशी दंपति और उनकी एक साल की बेटी भी शामिल है। सोमवार को मीडिया ने इस बारे में खबर दी। अधिकारियों ने बताया कि 136 मकानों वाली इमारत के 55 मकानों के ढहने की घटना के तुरंत बाद खोज एवं बचाव टीम तत्परता से मलबा हटाने और तलाश अभियान में जुटी हैं। घटना में 10 लोगों के मरने की पुष्टि हुई है। विशाल पटेल (42), उनकी पत्नी भावना पटेल (38) और उनकी एक साल की बेटी ऐशानी पटेल के भी लापता लोगों में शामिल होने का अंदेशा है। विशाल की रिश्तेदार सरीना पटेल ने बताया कि भावना पटेल चार महीने की गर्भवती हैं।

सरीना ने बताया कि परिवार से आखिरी बार बातचीत उसने फादर्स डे के मौके पर की थी। उन्होंने बताया कि घटना के वक्त वे घर पर ही थे और उन्हें कई बार फोन करने का प्रयास किया। उन्हें संदेश भेजे लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने शुक्रवार को बताया, मैंने वास्तव में उन्हें यह बताने के लिए फोन किया था कि मैंने आने के लिए एक फ्लाइट बुक की है क्योंकि वे मुझे अपना घर देखने और अपनी बेटी से मिलने के लिए कह रहे थे। मैं महामारी के कारण उससे नहीं मिल पाई थी। ब्रिटिश मीडिया के अनुसार भावना ब्रिटिश और अमेरिकी नागरिक हैं। पटेल के परिवार की पारिवारिक मित्र उमा कन्नायन ने बीबीसी को बताया कि वे बहुत मिलनसार थे और समुदाय के धार्मिक गतिविधियों में शामिल होते थे। 24 जून को मियामी बीच से करीब सात मील दूर चैंपियन टावर साउथ कोंडो में एक इमारत का आंशिक हिस्सा ढह गया जिसमें 10 लोगों की मौत हुई है और 150 से अधिक लोग लापता हैं।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा को 15 महीने जेल की सजा, अदालत की अवमानना का आरोप

जोहानिसबर्ग। (एजेंसी)।

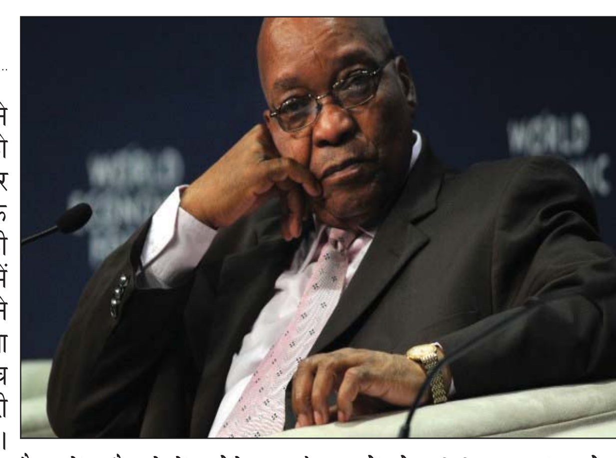

दक्षिण अफ्रीका के उच्चतम न्यायालय ने देश के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा को अदालत की अवमानना के लिए मंगलवार को 15 माह कैद की सजा सुनाई। उनके कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रहे आयोग के समक्ष पेश होने में विफल रहने के लिए उच्चतम न्यायालय ने उन्हें अवमानना का दोषी पाया। जुमा (79) पर 2009 से 2018 के बीच करीब नौ वर्ष तक पद पर रहते हुए सरकारी राजस्व में लूट-खसोट होने का आरोप है। सुनवाई के दौरान जुमा अदालत में नहीं थे और उन्हें थाने में आत्मसमर्पण के लिए पांच दिनों का समय दिया गया है। यदि वह ऐसा नहीं करते हैं तो पुलिस मंत्री को उनकी गिरफ्तारी का आदेश देना होगा। अदालत ने यह भी कहा कि सजा निलंबित नहीं की जा सकती है।

विभिन्न संस्थानों में भ्रष्टाचार और रिश्वत के आरोपों की जांच कर रहे आयोग ने कहा था कि जुमा को दो वर्ष कैद की सजा दी जाए। जुमा ने बार-बार कहा है कि आयोग के साथ सहयोग करने के बजाय वह जेल जाएंगे। सांविधानिक अदालत की न्यायमूर्ति सिसी खाम्पेपे द्वारा मंगलवार की सुबह दिए गए फैसले में उन्होंने जुमा के बयानों को ''विचित्र'' एवं ''नहीं बर्दाश्त करने योग्य'' बताया। न्यायाधीश खाम्पेपे ने कहा, ''सांविधिक अदालत इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि जुमा अदालत की अवमानना के दोषी हैं।'' न्यायाधीश ने कहा, ''सांविधिक अदालत का मानना है कि जिस व्यक्ति (जुमा) ने दो बार गणतंत्र (दक्षिण अफ्रीका), इसके कानून एवं संविधान की शपथ ली, उसने कानून की उपेक्षा की, इसे कमतर आंका और कई तरह से इसे खत्म करने का प्रयास किया।'' खाम्पेपे ने कहा, ''पीठ के ज्यादातर न्यायाधीश यह मानते हैं कि कड़ा संदेश दिया जाना चाहिए कि इस तरह से अवज्ञा और उल्लंघन गैर कानूनी है और दंडित किया जाएगा।''

तीन वर्ष पहले जुमा का कार्यकाल समाप्त होने के कुछ महीने पहले उनकी अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस पार्टी ने उन्हें राष्ट्रपति पद से हटा दिया था। वह अन्य आपराधिक मामलों का भी सामना कर रहे हैं, जो उन पर एक दशक से अधिक समय से चल रहे हैं। विभिन्न सामाजिक संगठनों ने जुमा को सजा दिए जाने का स्वागत किया है। अहमद खतरादा फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक शान बोल्टन ने कहा, ''इससे आयोग अपना काम प्रभावी तरीके से कर सकेगा और लोगों को जवाबदेह बनाया जाएगा और यदि वे ऐसा नहीं कर सके तो उन्हें भी इसी तरह की सजा होगी।'' जुमा को पद से हटाने और उन पर आपराधिक मुकदमा चलाए जाने के लिए फाउंडेशन ने अभियान चलाया था। पचास अरब रैंड के भ्रष्टाचार में जुमा मुख्य आरोपी हैं जिसमें तीन गुप्ता बंधु भी शामिल हैं। गुप्ता बंधुओं ने उनके साथ कथित तौर पर निकटता के कारण भ्रष्टाचार को अंजाम दिया। गुप्ता बंधुओं ने जुमा के दो बच्चों को भी कथित तौर पर फायदा पहुंचाया, जो दुबई में स्वनिर्वासन में रह रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने उनके प्रत्यर्पण की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पाकिस्तान में निकला 'लोकतंत्र का जनाजा', सदन में चारपाई लेकर पहुंचे पीटीआई के विधायक, मचा हंगामा

लाहौर। (एजेंसी)।

पाकिस्तान में इमरान खान के सरकार को अपने ही पार्टी के विधायकों की वजह से शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, पाकिस्तान के सिंध प्रांत में लोकतंत्र का जनाजा चारपाई पर निकाला गया। सबसे खास बात तो यह रही कि जिस विधायक ने सिंध विधानसभा के अंदर चारपाई लेकर पहुंचा वह किसी और का नहीं बल्कि इमरान खान की पार्टी का ही सदस्य है। इतना ही नहीं, लोकतंत्र को लेकर पीटीआई के विधायक सदन में हंगामा करने के इरादे से पहुंचे थे। इसी दौरान चारपाई पर लोकतंत्र का जनाजा निकालने का प्रयास किया गया। इस दौरान विधायकों ने धरना प्रदर्शन किया और जमकर हंगामा मचाया।

पूरा का पूरा मामला इमरान खान की पार्टी के विधायक से जुड़ा हुआ है। एक निजी चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक विधानसभा सत्र के दौरान इमरान खान की पार्टी के सदस्य को बोलने का मौका नहीं मिल सका जिससे कि इमरान खान के पार्टी के विधायक भड़क गए। इसके विरोध में वह चारपाई लेकर सदन के अंदर पहुंच गए। इसका एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। विधायक लोकतंत्र का जनाजा जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों के साथ में उनकी धक्का-मुक्की होती है। इससे पहले पाकिस्तान के संसद में सांसदों के बीच गाली गलौज का भी वीडियो को वायरल हुआ था।

विधानसभा में स्पीकर ने पीटीआई के विधायकों को संयम बरतने की अपील की। लेकिन वह कुछ सुनने को तैयार नहीं थे। विवाद के बाद प्रांतीय मंत्री नासिर हुसैन शाह और मुकेश कुमार चावला ने विधायकों के चारपाई विरोध की आलोचना की। उन्होंने कहा कियह इमरान खान की पीटीआई है, जिसने लोकतंत्र की हत?या की है। विधानसभा में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए एक विशेष विधेयक पेश किया गया जिसे मंजूरी भी मिल गई। हाल के दिनों में पाकिस्तान में पत्रकारों पर हमले बढ़ गए हैं इसलिए इस विधायक को लाया गया है।

कोरोना वायरस ने फिजी की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया, स्वास्थ्य व्यवस्था पर दबाव बढ़ाया

सुवा (फिजी)। (एजेंसी)।

फिजी में कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर गहरा दबाव डाला है और अर्थव्यवस्था को तहस-नहस कर दिया है। देश की सरकार बेरोजगार लोगों को खेती करने के लिए औजार और नकद की पेशकश कर रही है। प्रशांत देश में महामारी के पहले साल में कोई खास असर नहीं पड़ा था और सिर्फ दो मौतें हुई थीं। मगर दो महीने पहले वायरस के डेल्टा स्वरूप ने कहर बरपाया है और फिजी में करीब 250 मामले रोज आ रहे हैं। सरकार अर्थव्यवस्था को बचाने की कोशिश में अब तक लॉकडाउन का ऐलान करने से बचती रही है।

हालांकि देश की अर्थव्यवस्था पिछले साल ही 19 प्रतिशत तक सिकुड़ गई है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय सैलानियों ने आना बंद कर दिया था। मुल्क में करीब आधी नौकरियां पर्यटन क्षेत्र से संबंधित हैं और फिजी अपने सफेद बालू के समुद्र तटों आदि के लिए जाना जाता है। अग्नि शामक का व्यवसाय करने वाले जॉर्ज बेरनार्ड कहते हैं कि महामारी का कारोबार पर बहुत बुरा असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि उन्हें आशंका है कि चीजे कभी भी पहले जैसी नहीं होंगी। इस बीच टीकाकरण अभियान पूरे जोर शोर से चल रहा है लेकिन टीके के सुरक्षित नहीं होने की अफवाहों के कारण इसमें अड़चनें पैदा हुई हैं। अब तक करीब 29 प्रतिशत लोगों को टीके की पहली खुराक और सिर्फ दो फीसदी लोगों को टीके की दोनों खुराकें लग चुकी हैं। बेरनार्ड ने कहा कि उन्होंने कुछ अफवाहें सुनी हैं और उन्हें टीका लगवाने की कोई जल्दी नहीं है। अगले महीने से सरकार एक नया कार्यक्रम शुरू करने जा रही है जिसके तहत जिन लोगों की नौकरी चली गई है और ग्रामीण भूमि तक उनकी पहुंच हैं, उन्हें करीब 200 डॉलर कीमत के औजार, रोपण सामग्री और नकद राशि दी जाएगी।

कार्यक्रम के मुताबिक, आवेदक किसान बनने का इच्छुक होना चाहिए और उसकी मंशा खेती को पूर्णकालिक मूल गतिविधि के तौर पर अपनाने की होनी चाहिए। कोविड-19 के मौजूदा प्रकोप के दौरान 15 लोगों की मौत हो गई है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने फिजी की मदद के लिए टीका, धन और मेडिकल दल भेजे हैं। फिर भी देश की स्वास्थ्य प्रणाली पर अधिक दबाव है। फिजी की सरकार ने सुवा समेत कुछ इलाकों में लोगों से घरों में रहने को कहा है और रात्रि कर्फ्यू भी लगा दिया है।

अमेरिकी सासंदों ने की बाइडेन प्रशासन से अपील, कोविड की दूसरी लहर से प्रभावित भारत को दी जाए पूरी सहायता

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

भारत को अमेरिका का महत्वपूर्ण मित्र एवं सहयोगी बताते हुए, शीर्ष अमेरिकी सांसदों ने बाइडन प्रशासन से घातक कोविड-19 वैश्विक महामारी से बुरी तरह प्रभावित देश को सहायता पहुंचाने में मदद करने की सोमवार को अपील की। भारत में पिछले साल वैश्विक महामारी की शुरुआत के बाद से कोरोना वायरस के तीन करोड़ से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं और करीब 4,00,000 मरीजों की मौत हुई है। वरिष्ठ अमेरिकी सांसदों ने सोमवार दोपहर अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में उस प्रस्ताव का समर्थन किया जिसमें बाइडन प्रशासन से भारत को निजी और उदारता पूर्ण चिकित्सीय आपूर्ति दान को सुगम बनाने और अतिरिक्त, तत्काल जरूरी चिकित्सीय आपूर्तियां जिसमें ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र और क्रायोजेनिक टैंकर एवं कंटेनर शामिल हैं, उन्हें भेजने के लिए अपील की गई है। भारत कॉकस के सह-अध्यक्ष कांग्रेस सदस्य ब्रैड शर्मन और स्टीव चाबोट द्वारा पेश किया गया द्विपक्षीय प्रस्ताव कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाने के बीच भारत के लोगों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करता है।

सदन की शक्तिशाली विदेश मामलों की समिति के प्रमुख, कांग्रेस सदस्य ग्रेगरी मीक्स ने कहा, 'मैं सदन के प्रस्ताव 402 का समर्थन करते हुए भारत में कोविड-19 के प्रलयकारी प्रभाव की प्रतिक्रिया में सहायता देने की अपील करता हूं। यह प्रस्ताव...बेहतरीन कदम है जो कोरोना वायरस के संक्रमण की इस हालिया लहर से उबरते हुए भारत के लोगों के प्रति इस निकाय के पहले से मजबूत, द्विपक्षीय समर्थन को और ठोस बनाता है।' मीक्स ने कहा कि सभी पृष्ठभूमि वाले भारतीय, युवा एवं बुजुर्ग, ग्रामीण एवं शहरी, इस वैश्विक महामारी से प्रभावित हुए हैं, जहां संक्रमण चिंताजनक दर से बढ़ा और स्वास्थ्य व्यवस्था सभी संक्रमितों को देखभाल उपलब्ध कराने में संघर्ष करती रहीं तथा देशभर से चिकित्सीय आपूर्तियों की कमी की खबरें आ रही हैं। बाइडन प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया से खुश, मीक्स ने कहा कि अमेरिका ने भारत को अत्यंत आवश्यक चिकित्सीय आपूर्तियां भेजीं। उन्होंने कहा, 'अब हम देख रहे हैं कि कोविड-19 के मामले घटने शुरू हो गए हैं। लेकिन हम अपनी सुरक्षा को कम नहीं कर सकते। हमें संक्रमण की नयी संभावित लहर के लिए ज्यादा तैयार रहना होगा। यह समझना जरूरी है कि हममें से कोई भी तब तक सुरक्षित नहीं है जब तक कि हम सब सुरक्षित नहीं हैं।÷ मीक्स ने कहा, ÷यह वैश्विक महामारी इस बीमारी से वैश्विक स्तर पर लड़ने में भारत की भूमिका को लगातार प्रदर्शित कर रही है। वैश्विक चिकित्सा उत्पादन आपूर्ति श्रृंखला में इसकी भूमिका इस महामारी को हराने में अहम है। वैश्विक समुदाय भारतीय फार्मास्युटिकल और टीका उत्पादन क्षमता पर आश्रित है।

भारत में जो कुछ होता है उसका असर नेपाल जैसे पड़ोसी देशों में भी देखने को मिलता है।

तेज रफ्तार का कहर : रईशजादों की कार ने फूटपाथ सो रहे पांच को कुचला, महिला की मौत

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,शहर के शिवरंजनी क्षेत्र में देर रात रईशजादों की कार की तेज रफ्तार फूटपाथ पर सो रहे लोगों में कहर बनकर टूटी। दो कारों के बीच रेस में एक कार फूटपाथ पर सो रहे लोगों पर चढ़ गई। जिसमें एक महिला की मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के शिवरंजनी इलाके में एक कार ने फुटपाथ पर सो रहे पांच लोगों को कुचल दिया। जिसमें एक महिला की मौत हो गई। रईशजादों की दो कारों के बीच रेस चल रही। इस दौरान एक कार के चालक ने स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और कार सीधे फुटपाथ पर सो

रहे श्रमिकों रौंदते हुए आगे बढ़ गयी। घटना के बाद कार में सवार सभी लोग अलग अलग दिशा में फरार हो गये है। पुलिस ने मौके पर पड़ी कार को कब्जे में ले लिया है। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई। चार लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज किया जा रहा है। उधर मामले की सूचना पाते ही पुलिस का काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया। पुलिस ने बताया कि फिलहाल सीसीटीवी फुटेज मिला है। फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की अलग-अलग टीम जांच कर रही है। हादसे के अंजाम देकर रईशजादे मौके से फरार हो गए। लेकिन ओला ड्राइवर मानवता के नाते अपनी कार खड़ी की और तुरंत एम्ब्युलैंस 108 और पुलिस को घटना की जानकारी दी।

गुजरात की 53 हजार से अधिक आंगनवाड़ियों के 14 लाख बच्चों को मिलेगी खास पहचान

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गुजरात की 53 हजार से अधिक आंगनवाड़ियों के 3 से 6 वर्ष की उम्र के 14 लाख बच्चों को नि:शुल्क गणवेश वितरण करने के अभियान का शुभारंभ करते हुए कहा कि आंगनवाड़ी के बच्चों की अब राज्यव्यापी एक विशेष पहचान स्थापित होगी। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि जिस तरह साधन संपन्न वर्ग के बच्चे नर्सरी या प्ले ग्रुप में जाते हैं तब यूनिफॉर्म से उनकी एक इमेज बनती है, ठीक वैसे ही आंगनवाड़ी के बच्चों की भी इमेज या विशेष पहचान एक समान यूनिफॉर्म के जरिए स्थापित करने की संवेदना के साथ सरकार ने यह योजना शुरू की है। राज्य के महिला एवं बाल कल्याण विभाग ने इस उद्देश्य से 36.28 करोड़ रुपए की धनराशि के खर्च से 14 लाख बच्चों को नि:शुल्क गणवेश वितरण

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आंगनवाड़ी के बच्चों को नि:शुल्क गणवेश

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

का यह अभियान शुरूकिया है। आंगनवाड़ी के 14 लाख बच्चों को दो जोड़ी गणवेश देने अभियान के तहत राज्य सरकार 28 लाख जोड़ी गणवेश का मुफ्त वितरण करेगी। मुख्यमंत्री ने गणवेश वितरण के राज्यव्यापी कार्यक्रम की मंगलवार को गांधीनगर से शुरुआत करते हुए पांच बच्चों को प्रतीक के तौर पर गणवेश वितरित किया।

राज्य के विभिन्न महानगरों, नगरों और जिला मुख्यालयों में मौजूद मंत्रिगण, विधायक, सांसद, महापौर और जिला पंचायत अध्यक्ष सहित पदाधिकारी और आंगनवाड़ी के बच्चे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम से जुड़े।

जिला स्तर तथा नगरों और महानगरों में कोरोना नियंत्रण प्रोटोकॉल के अनुपालन के साथ प्रतीक के तौर पर गणवेश वितरण का कार्यक्रम आयोजित हुआ।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने आंगनवाड़ी और पोषण पर विशेष ध्यान दिया था।

जम्मू में ड्रोन हमले के बाद गुजरात के हवाई अड्डों पर सुरक्षा बढ़ाई गई

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,जम्मू में ड्रोन के जरिए हमला किए जाने की घटना के बाद गुजरात के हवाई अड्डों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। ड्रोन के जरिए हमले की आशंका को देखते हुए देश और राज्य के सभी एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ाई गई है। अहमदाबाद एयरपोर्ट को अलर्ट मोड पर रखने के साथ ही रेलवे स्टेशन पर भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। एयरपोर्ट पर बम स्क्वाड और डॉग स्क्वाड को तैनात कर दिया गया है। शहर की पुलिस भी सतर्क हो गई है। गौरतलब है कि दो दिन पहले जम्मू हवाई अड्डे पर स्थित वायु सेना के स्टेशन पर दो ड्रोन से बम गिराए गए

थ। इस घटना में वायु सेना के 2 जवान घायल हो गए थे। इस घटना के बाद देशभर में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। अहमदाबाद में आगामी रथयात्रा की तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। हांलाकि शहर में रथयात्रा निकलेगी या नहीं यह फिलहाल तय नहीं है। लेकिन रथयात्रा को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। जम्मू में ड्रोन हमले के बाद अहमदाबाद पुलिस ने भी सतर्क हो गई है।

सार-समाचार

जन अधिकार मंच के नेता प्रवीण राम आम आदमी पार्टी में शामिल

जूनागढ़,जन अधिकार मंच के नेता प्रवीण राम ने आज आम आदमी पार्टी जॉइन कर ली। जूनागढ़ के सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में प्रवीण राम ने झाडू थाम लिया। हाल में दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के साथ प्रवीण राम ने मुलाकात की थी, जिसके बाद से उनके आप में शामिल होने की चर्चा चल रही थी। प्रवीण राम गुजरात में आंदोलनकारी चेहरा है। जन अधिकार मंच के अध्यक्ष प्रवीण राम काफी लोकप्रिय भी हैं। बेरोजगार और कर्मचारियों पर प्रवीण राम का अच्छा खासा वर्चस्व है। प्रवीण राम के आप में शामिल होने से गुजरात में आम आदमी पार्टी को बड़ा फायदा हो सकता है। दो दिन पहले सूरत के विख्यात उद्योगपति महेश सवाणी के आप में शामिल होने के बाद प्रवीण राम की मनीष सिसोदिया के साथ मुलाकात हुई थी। जिसके बाद प्रवीण राम ने कहा था कि वह दिल्ली की व्यवस्था से काफी प्रभावित हुए हैं और हमारी टीम आम आदमी पार्टी में शामिल होने का फैसला करेगी।

मुस्लिम युवक ने शादी की लालच देकर युवती से दुष्कर्म किया, पुलिस ने किया गिरफ्तार

वडोदरा, शहर में एक और मुस्लिम युवक द्वारा युवती की लालच देकर उससे दुष्कर्म की घटना सामने आई है। पुलिस ने युवती की शिकायत के आधार पर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरु की है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के नागरवाडा में रहनेवाले सोहिल साजिद शेक नामक मुस्लिम युवक एक युवती को शादी की लालच देकर उसे तांदलजा स्थित एक मकान में ले गया था। जहां सोहिल ने युवती के साथ दुष्कर्म किया। जिसके बाद सोहिल युवती पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालने लगा। लेकिन जब युवती ने दोबारा शारीरिक संबंध बनाने से इंकार किया तो सोहिल ने उसके साथ मारपीट की। इतना ही नहीं सोहिल ने युवती के साथ शारीरिक छेड़छाड़ भी की। जिसे लेकर युवती ने सोहिल शेख के खिलाफ वडोदरा के फतेगंज पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। फतेगंज पुलिस ने आरोपी सोहिल शेख को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरूकी है।

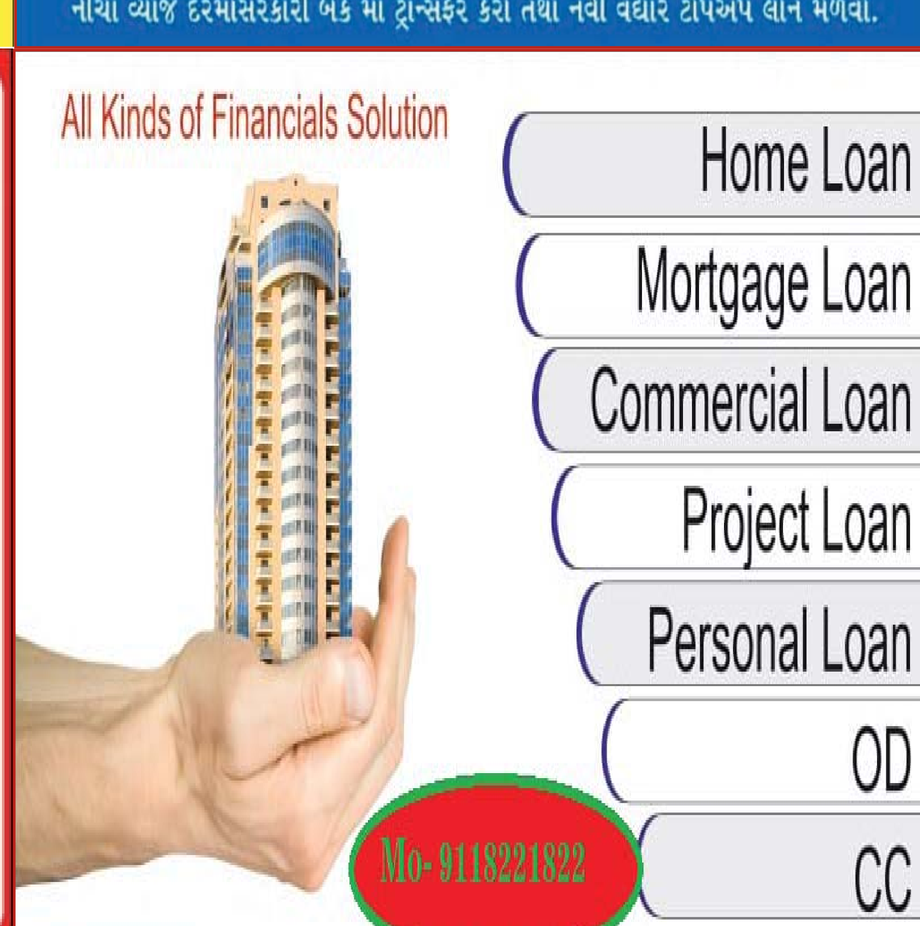

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मप्र के मंत्री के मर जाओ वाले बयान पर बवाल

भोपाल। देश और दुनिया की तरह मध्य प्रदेश में भी कोरोना संक्रमण ने लोगों की जिंदगी पर असर डाला है, आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। वहीं स्कूलों की फीस कम नहीं हुई है। बच्चों के अभिभावकों ने मंगलवार को स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार से मुलाकात कर फीस कम करने का आग्रह किया तो मंत्री भड़क गए। आरोप है कि उन्होंने पालक संघ के पदाधिकारियों से कहा कि मरना है तो मर जाओ। इसके बाद से राज्य की सियासत में गर्माहट आ गई है । पालक महासंघ के अध्यक्ष कमल विश्वकर्मा का कहना है कि फीस के मसले को लेकर पालक मंगलवार को स्कूल शिक्षा मंत्री के आवास पर गए थे, जहां मंत्री ने पालकों की बात नहीं सुनी और बेतुका बोला है। पालक संघ मंत्री के खिलाफ मानहानि का दावा करेगा। मंत्री परमार का सोशल मीडिया पर जो बयान वायरल हो रहा है, उसमें वे मुलाकात करने वाले अभिभावकों से कह रहे हैं कि मरना है तो मर जाओ। इस बयान ने सियासी माहौल को गर्मा दिया है। इस बयान पर कांग्रेस ने हमला बोला है। प्रदेशाध्यक्ष कमल नाथ के मीडिया समन्वयक नरेंद्र सलूजा का कहना है कि स्कूल शिक्षा मंत्री का बेशर्मी भरा कृत्य सामने आया है। पालक संघ राहत के लिए उनसे मिलने जाता है और वे गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाते हैं। उन्होंने पालक संघ के लोगों से कहा कि, जो करना हो तो करो, आंदोलन करना है तो करो, मरना हो तो मर जाओ, हमे कोई फर्क नहीं पड़ता।

बंगाल हिंसा को लेकर गठित कमेटी ने सौंपी रिपोर्ट, जी किशन रेड्डी बोले- चुनाव बाद 25 लोगों की हुई हत्या

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर लगातार जारी है। पिछले दिनों में भारत सरकार की ओर से इसके लिए एक कमेटी का गठन किया गया था। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा के संदर्भ में कमेटी का गठन किया गया था। उसने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। चुनाव के बाद 25 लोगों की हत्या हुई हैं। 15,000 हिंसा की घटनाएं हुई और 7,000 महिलाओं के ऊपर अत्याचार हुआ है। रेड्डी ने आगे कहा कि 16 ज़िलों में राजनीतिक हिंसा हुई। हिंसा के दौरान हुए नुक़सान के कारण लोग डरकर दूसरे राज्यों की तरफ़ चले गए हैं। कमेटी द्वारा दी गई रिपोर्ट को हम गृह मंत्रालय के द्वारा जांच करेंगे। मामले में जो भी कदम उठाने होंगे हम उठाएंगे। आपको बता दें कि चुनाव बाद बंगाल में हुई हिंसा को लेकर भाजपा तृणमूल कांग्रेस पर जमकर आरोप लगाती है। भाजपा का आरोप है कि तृणमूल कार्यकर्ता गुंडागर्दी करते हैं और उनके कार्यकर्ताओं की हत्या करते हैं। इसको लेकर भाजपा ने एक दिवसीय प्रदर्शन भी किया था। दूसरी और ममता बनर्जी राज्य में सब कुछ ठीक-ठाक होने का दावा करती हैं। वह भाजपा पर ही गुंडागर्दी और हत्या का आरोप लगाती हैं।

राजस्थान में दो सप्ताह पहले पहुंचा मॉनसून, दिल्ली और उत्तर भारत के हिस्सों को इंतजार

नयी दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून अपने सामान्य समय से दो सप्ताह पहले पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर पहुंच गया है जो इसके आखिरी पड़ाव में से एक है। वहीं, दिल्ली समेत उत्तर भारत के मैदानी हिस्सों को अभी भी मॉनसून की बारिश का इंतजार है। फिलहाल यहां भीषण गर्मी पड़ रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को बताया कि दक्षिण-मॉनसून की उत्तरी सीमा (एनएलएम) अब भी बाड़मेर, भीलवाड़ा, धौलपुर, अलीगढ़, मेरठ, अंबाला और अमृतसर से होकर गुज़र रही है। केरल में दो दिन देरी से पहुंचने के बाद मॉनसून अब सामान्य से सात से दस दिन पहले पूर्वी, मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत में दस्तक दे रहा है। इसी क्रम में मॉनसून राजस्थान के सीमावर्ती और रेगिस्तानी जिले बाड़मेर पहुंच गया है, लेकिन पश्चिम उत्तर प्रदेश, पंजाब तथा हरियाणा अब भी बारिश का इंतजार कर रहे हैं। आईएमडी के क्षेत्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव के अनुसार बाड़मेर पश्चिम राजस्थान के उन कुछ केंद्रों में हैं जहां दक्षिण-मॉनसून सामान्य तौर पर सबसे बाद में आता है। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून जुलाई के प्रथम सप्ताह में पश्चिम राजस्थान में पहुंचता है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि इस बार मॉनसून सामान्य समय से दो सप्ताह पहले बाड़मेर पहुंच गया है। उन्होंने कहा, ''अरब सागर में बने दबाव के क्षेत्र की वजह से मॉनसून को गति मिली जो जून में ही बाड़मेर समेत राजस्थान के कुछ हिस्सों में पहुंच गया।''

उत्तर प्रदेश पुलिस ने किया गेस्ट हाउस में चल रहे देह व्यापार का भंडाफोड़, युवतियों को मुक्त कराया

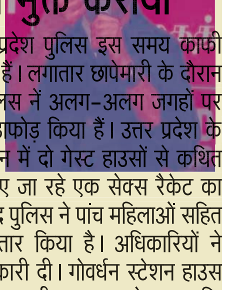

नोएडा (उप्र)। उत्तर प्रदेश पुलिस इस समय काफी एक्टिव नजर आ रही हैं। लगातार छापेमारी के दौरान केवल दो दिनों में पुलिस नें अलग-अलग जगहों पर सेक्स रेकिट का भांड़ाफोड़ किया हैं। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के गोवर्धन में दो गेस्ट हाउसों से कथित तौर पर संचालित किए जा रहे एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करने के बाद पुलिस ने पांच महिलाओं सहित 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। गोवर्धन स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) प्रदीप कुमार ने कहा कि शनिवार देर शाम छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए लोगों में गेस्ट हाउस के दो मालिक भी शामिल हैं। इसके अलावा इसके अलावा जनपद गौतमबद्ध नगर के थाना सेक्टर-49 पुलिस ने सेक्टर-51 के बी-ब्लॉक में स्थित एक गेस्ट हाउस पर सोमवार की देर रात को छापा मारकर वहां चल रहे देह व्यापार का भंडाफोड़ किया और इसके संचालकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 12 युवतियों को मुक्त कराया तथा 14 ग्राहकों को हिरासत में लिया है। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) रणविजय सिंह ने बताया कि थाना सेक्टर-49 पुलिस ने सेक्टर-51 स्थित गेस्ट हाउस पर सोमवार की देर रात को छापा मारा।

धर्मांतरण मामले में नया खुलासा, लापता लड़की ने कहा- अपनी मर्जी से किया निकाह, इसे राजनीति का मसला न बनाएं

श्रीनगर। (एजेंसी)।

दो सिख लड़कियों के जबरन धर्मांतरण मामले को लेकर जम्मू से दिल्ली तक में हंगामा मचा हुआ है। इसी बीच एक बड़ी जानकारी निकलकर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि जिस लकड़ी के लापता होने का दावा किया जा रहा था उसने एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो के जरिए लड़की ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। युवा कांग्रेस जम्मू-कश्मीर के प्रवक्ता आबिद मीर ने लापता लड़की का वीडियो साझा किया है।

बता दें कि दो सिख लड़कियों के जबरन धर्म परिवर्तन मामले को लेकर राजनीति गर्माई हुई थी। श्रीनगर में दो सिख लड़कियों का जबरन निकाह किए जाने का आरोप था। जिसको लेकर दिल्ली में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मनजिंदर सिरसा के नेतृत्व में सिख समुदाय के लोगों ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की थी।

अपनी मर्जी से किया निकाह

इतना ही नहीं इस मामले में मनजिंदर सिरसा ने गृह मंत्री अमित शाह से भी बात की थी। लेकिन अब इस मामले में नया मोड़ आ गया है। लापता लड़की ने कहा कि मेरा मसला आज का नहीं है बल्कि 2012 में ही मैंने धर्म परिवर्तन कराया था और 2014 में मेरा निकाह मेरे बैच मेट मुजफ्फर के साथ अपनी मर्जी से किया है।

बयान देने का बनाया था दबाव

लड़की ने दावा किया कि पुलिस ने मेरे दस्तावेजों को सही से नहीं देखा और मेरा ओरल स्टेटमेंट ले रहे थे। मैंने उन्हें कहां कि मेरा लिखित बयान लीजिए। लेकिन उन्होंने इसके बावजूद मेरे पति को जेल में डाल दिया और मुझे परिवार को सौंप दिया। जो मुझे अमृतसर लेकर आ गए। जहां पर अलग-अलग संगठनों के लोग आकर मेरा ब्रेन वॉश करने की कोशिश की और मेरे मुस्लिम पति के खिलाफ बयान देने का दबाव बनाया। लड़की ने वीडियो में बार-बार कहा कि सबकुछ मेरी मर्जी से हुआ है और मैं किसी बेगुनाह को नहीं फंसा सकती हूं।

लड़की ने कहा कि मुझे मेरे पति के पास नहीं जाने दिया जा रहा था और तो और मुझे धमकियां दी जा रही थी। मुझसे कहा जा रहा था कि लड़के के खिलाफ बयान दो नहीं तो तुम्हें गोली मार देंगे। एसिट अटैक किया जाएगा।

हाईकोर्ट ने सुनी मेरी बात

लड़की ने बताया कि 6 जून से लेकर 25 जून तक मैं जम्मू में थी और उस दिन कश्मीर पुलिस का फोन आया था। उन्होंने मुझे हाई कोर्ड का आर्डर दिखाया। जहां से हमें जानीपुर पुलिस स्टेशन ले गए। जहां पर मुझे कश्मीर पुलिस को सौंपा गया। इसके बाद मुझे कोर्ट ले जाया गया। उन्होंने कहा कि आप सभी जानते हैं कि कोर्ट में कोई भी गन प्वाइंट में नहीं रखता है।

उन्होंने बताया कि हाई कोर्ट में जज साहिबा के सामने मैं अपनी सारी जानकारियां दी और उन्हें बताया कि मेरे पति के खिलाफ सारे बयान झूठे हैं। कोर्ट ने मेरी बात को ध्यान से सुना है।

धर्म का मसला नहीं बनाएं

लड़की ने कहा कि आप इसे धर्म, राजनीति और अल्पसंख्या का मसला नहीं बनाए। यह कोई 2-3 दिन का मसला नहीं है बल्कि 2012 का मामला है। मैंने अपनी मर्जी से धर्मपरिवर्तन किया है। अगर मुझे दबाव दिया गया तो कश्मीर के बाहर दिया गया कि आप लड़के के पक्ष में बयान दी तो हम आपको छोड़ेंगे नहीं।

संसद का मानसून सत्र 19 जुलाई से संभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संसद का मानसून सत्र इस साल अपने सामान्य समय पर शुरू होने की संभावना है। सरकार की ओर से जुलाई के तीसरे सप्ताह में मानसून सत्र आयोजित करने के संकेत मिल रहे हैं। संभावना है कि संसद का मानसून सत्र सभी कोविड संबंधी प्रोटोकॉल के साथ 19 जुलाई से 13 अगस्त तक आयोजित किया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि करीब एक महीने तक चलने वाले इस सत्र में करीब 20 बैठकें होने की संभावना है। संसद का मानसून सत्र आमतौर पर जुलाई के तीसरे सप्ताह में शुरू होता है और स्वतंत्रता दिवस से पहले समाप्त होता है। हालांकि, अंतिम तिथि आधिकारिक तौर पर संसदीय मामलों की कैबिनेट समितियों (सीसीपीए) की बैठक के बाद घोषित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। सीसीपीए की बैठक राजनाथ सिंह के तीन दिवसीय लद्दाख दौरे से लौटने के बाद होनी है। इस साल के मानसून सत्र को आयोजित करने के तौर-तरीकों पर अभी भी चर्चा हो रही है। इससे पहले संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा था कि सरकार जुलाई में अपने सामान्य कार्यक्रम के अनुसार मानसून सत्र आयोजित कर सकती है। जब से कोरोना महामारी शुरू हुई, संसद के तीन सत्र - बजट, मानसून और शीतकालीन सत्र - पर रोक लगा दी गई । पिछले साल के शीतकालीन सत्र को रद्द करना पड़ा था। पिछले साल मानसून सत्र, जो आमतौर पर जुलाई में शुरू होता है, सितंबर महीने में शुरू हुआ था। अधिकारियों को इस साल जुलाई में मानसून सत्र आयोजित करने का भरोसा है क्योंकि अधिकांश सांसदों, लोकसभा और राज्यसभा सचिवालयों के स्टाफ सदस्यों और अन्य हितधारकों को कोरोनावायरस वैक्सीन की कम से कम एक खुराक मिली है।

भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा का बयान, महामारी के दौरान पृथकवास में विपक्ष

गुवाहाटी। भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने मंगलवार को कहा कि असम में कोविड-19 महामारी के दौरान कुछ विपक्षी दल पृथकवास में तो कुछ आईसीयू में पहुंच गए। नड्डा ने राज्य भाजपा कार्यकारिणी की एक बैठक को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए दावा किया कि विपक्षी दल केवल चुनावों के दौरान राजनीतिक पर्यटक के रूप में सामने आते हैं, लेकिन उसके बाद वे कहीं नहीं दिखते। उन्होंने कहा, सभी (विपक्षी) दल पृथकवास में रहे जबकि इनमें से कुछ तो आईसीयू में पहुंच गए। केवल भाजपा के सदस्य ही परेशानियों से जूझ रहे लोगों के बीच गए। नड्डा ने पार्टी की राज्य इकाई के नवनियुक्त अध्यक्ष भावेश कलिता और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से राज्य में सभी पात्र लोगों का मिशन मोड पर टीकाकरण करने का आग्रह किया। उन्होंने कलिता को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि यदि टीकाकरण को लेकर लोगों के बीच कोई झिझक है तो उसे दूर करने के लिए पार्टी के सभी कार्यकर्ता पूरे राज्य में टीकाकरण जागरूकता अभियान चलाएंगे। नड्डा ने सांप्रदायिक और भ्रष्ट ताकतों को हराने व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास एजेंडे पर विश्वास रखने के लिए असम के लोगों का आभार व्यक्त किया।

बाबा साहब सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास भाजपा सरकार की नाटकबाजी: मायावती

लखनऊ। (एजेंसी)।

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लखनऊ में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर स्मारक सांस्कृतिक केंद्र के शिलान्यास को भाजपा सरकार की नाटकबाजी करार देते हुए आरोप लगाया कि छलावे, नाटकबाजी और दलितों-पिछड़ों का हक मारने के मामले में भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंगलवार को यहां लोकभवन में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित होने वाले भारत रत्न डॉ आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र की आधारशिला रखी।

बसपा प्रमुख ने मंगलवार को तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ट्वीट किया आम्बेडकर व उनके करोड़ों शोषित-पीड़ित अनुयायियों का सत्ता के लगभग पूरे समय उपेक्षा व उत्पीड़न करते रहने के बाद अब विधानसभा चुनाव के नजदीक उप्र भाजपा सरकार द्वारा बाबा साहेब के नाम पर 'सांस्कृतिक केन्द्र' का शिलान्यास करना यह सब नाटकबाजी नहीं तो और क्या है। मायावती ने कहा, बसपा डॉ. आम्बेडकर के नाम पर कोई केन्द्र आदि बनाने के खिलाफ नहीं है, परन्तु अब चुनावी स्वार्थ के लिए यह सब करना घोर छलावा है। उप्र सरकार अगर यह काम पहले कर लेती तो माननीय राष्ट्रपति जी आज इस केंद्र का शिलान्यास नहीं बल्कि उद्घाटन कर रहे होते तो यह बेहतर होता।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, वैसे इस प्रकार के छलावे व नाटकबाजी के मामले में चाहे भाजपाकी सरकार हो या सपा अथवा कांग्रेस आदि की, कोई किसी से कम नहीं, बल्कि दलितों व पिछड़ों आदि का हक मारने व उनपर अन्याय-अत्याचार आदि के मामले में वे एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं, जो सर्वविदित है तथा यह अति दुःखद। बसपा प्रमुख ने दावा किया इसी का परिणाम है कि दलित व पिछड़ों के लिए आरक्षित लाखों सरकारी पद अभी भी खाली पड़े हैं तथा इनके संतों, गुरुओं व महापुरुषों के नाम पर उप्र में बसपा सरकार द्वारा निर्मित विश्व स्तरीय भव्य स्थलों व पार्कों आदि की घोर उपेक्षा पिछले सपा शासनकाल से ही लगातार जारी है जो अति-निन्दनीय है।

केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक बुधवार को, अध्यक्षता करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें देश में कोविड की स्थिति, संभावित तीसरी लहर से निपटने की तैयारी और कुछ मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा होगी। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। भाजपा के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि मंत्रिपरिषद की बैठक महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि यह ऐसे समय में हो रही है, जब राजनीतिक गलियारों में मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, बैठक में कैबिनेट फेरबदल पर चर्चा के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली। पिछले एक महीने के भीतर इस तरह की यह तीसरी बैठक है। पता चला है कि बैठक बुधवार शाम को वर्चुअली होने जा रही है, जिसमें प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव, कैबिनेट सचिव, सदस्य (स्वास्थ्य) नीति आयोग डॉ वी.के.पॉल द्वारा कोविड महामारी के प्रबंधन पर एक प्रस्तुति दिए जाने की उम्मीद है। यह भी बताया गया है कि कोविड पर व्यापक चर्चा बैठक का प्रमुख मुद्दा है, जिस दौरान सड़क और परिवहन मंत्रालय, नागरिक उड्डयन और दूरसंचार द्वारा किए गए कार्यो की समीक्षा की जा सकती है।

अपनी मर्जी से इस्लाम अपनाने वाली हिंदू महिला ने अदालत से सुरक्षा की मांग की

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

इस्लाम धर्म अपनाने वाली एक हिंदू महिला ने दिल्ली उच्च न्यायालय से अपने और अपने परिवार के लिए सुरक्षा की मांग की है। इस महिला के अनुसार जबसे उसने स्वेच्छा से इस्लाम धर्म अपनाया है तब से उन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है और उत्तर प्रदेश पुलिस, मीडिया तथा स्वयंभू सतर्कता समूह उसके पीछे पड़े हुए हैं। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले की निवासी और दिल्ली में काम करने वाली महिला ने अपने और अपने परिवार के लिए सुरक्षा के साथ-साथ निजता के अधिकार की भी मांग की है।

इस महिला ने अपनी याचिका में कहा है कि धर्म परिवर्तन के कारण उसके और उसके परिवार को निशाना बनाया जा रहा है और मीडिया में उनके बारे में दुर्भावनापूर्ण सामग्री छापी जा रही है जिसे तुरंत रोका जाना चाहिए। याचिका में कहा गया, ''याचिकाकर्ता (महिला) वयस्क हैं और संविधान उन्हें अपना धर्म चुनने का अधिकार देता है और वह जिस धर्म को मानने का, चुनने का निर्णय लेती है उसके लिए उन्हें प्रताड़ित नहीं किया जा सकता, उन्हें निशाना नहीं बनाया जा सकता।'' महिला की ओर से पेश अधिवक्ता कमलेश कुमार मिश्रा ने कहा कि याचिका पर संभवतः बुधवार को सुनवाई हो सकती है। याचिका के अनुसार रेणु गंगवार उर्फ आयशा अल्वी ने 27 मई को दिल्ली में इस्लाम धर्म अपना लिया था और 23 जून से, जब वह शाहजहांपुर में थी तब उनके पास मीडियाकर्मियों के फोन आने लगे जिसमें उनसे मिलने का अनुरोध किया गया लेकिन उन्होंने मना कर दिया।

महिला ने कहा कि उनकी इजाजत के बगैर मीडियाकर्मी उनके घर आ गए और उनकी तस्वीरें, वीडियो लेने लगे और उन्हें धमकी भरे फोन भी आने लगे कि धर्म परिवर्तन की खबर मीडिया में अपने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा तथा फोन पर उनसे पैसे भी मांगे गए। महिला ने कहा इसके बाद उनमें से एक ने उनसे जबरदस्ती 20,000 रूपये ले लिए जबकि अन्य ने भी उनसे तथा उनके परिवार से पैसे उगाहने की कोशिश की। याचिका में कहा गया कि उनके धर्म परिवर्तन के बारे में मीडिया में अनर्गल तथा काल्पनिक जानकारियां दी जा रही हैं। महिला ने याचिका में कहा कि 24 जून को उन्होंने दिल्ली पुलिस आयुक्त से भी इसकी शिकायत की थी और सुरक्षा की मांग की थी।

आतंकी संगठनों के ड्रोन हमलों से निपटने के लिए समग्र नीति बनाए सरकार: कांग्रेस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर में वायुसेना के एक स्टेशन पर ड्रोन से बम गिराए जाने की घटना की पृष्ठभूमि में मंगलवार को कहा कि सरकार को पाकिस्तान में मौजूद आतंकी संगठनों के ड्रोन हमलों से निपटने के लिए ठोस और समग्र नीति बनानी चाहिए। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह भी कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार को 'हेडलाइन मैनेजमेंट' करने की बजाय इस विषय पर रक्षा विशेषज्ञों से परामर्श लेने की जरूरत है।

सुरजेवाला ने ट्वीट किया, ''सशस्त्र ड्रोन हमला सुरक्षा बलों और सरकारी प्रतिष्ठानों के लिए वास्तविक खतरा है। परिपत्रों और नियमों में संशोधनों की बजाय एक विश्वसनीय और समग्र नीति एवं कदम इस वक्त की जरूरत है ताकि कुख्यात आईएसआई समर्थित और पाकिस्तान में मौजूद आतंकी संगठनों के हमलों से निपटा जा सके।'' उन्होंने कहा, ''आशा करता हूं कि भाजपा सरकार इससे अवगत है कि आईएसआई और पाकिस्तान में मौजूद आतंकी समूह चीन के 'हेक्साकॉप्टर' और ड्रोन का इस्तेमाल सीमा पार हथियार गिराने के लिए करते हैं तथा चीन ने इन्हें 'सीपेक' (चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा) में इस्तेमाल करने के लिए पाकिस्तान को भेंट किया है।'' कांग्रेस महासचिव ने इस बात पर भी जोर दिया कि सरकार को यह पता होना चाहिए कि ऊंचाई वाले इलाकों के लिए चीन ने पाकिस्तान को 50 विंग लूंग-2 सशस्त्र ड्रोन बेचे हैं। उन्होंने संसद में पूछे गए कुछ प्रश्नों का हवाला देते हुए कहा कि सरकार इससे जरूर अवगत होगी कि सांसदों ने ड्रोन हमलों के मुद्दे पर बार-बार सवाल पूछे हैं। सुरजेवाला ने यह भी कहा, ''पूरा देश इस तरह के हमलों को नाकाम करने के लिए हमारे सुरक्षा बलों और सरकार के साथ खड़ा है। परंतु मोदी सरकार को इसका अहसास करना चाहिए कि 'हेडलाइन मैनेजमेंट' करने की बजाय रक्षा विशेषज्ञों से रणनीतिक सलाह लेने की जरूरत है।'' गौरतलब है कि जम्मू स्थित भारतीय वायुसेना के स्टेशन में रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात एक ड्रोन से दो बम गिराए गए थे। यह इस तरह का पहला हमला था। इस घटना में दो लोग घायल हो गए।

फर्जी टीकाकरण के मामलों में बड़ी मछली को न छोड़ें: बम्बई उच्च न्यायालय

मुंबई। (एजेंसी)।

बम्बई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि शहर में फर्जी कोविड-19 टीकाकरण शिविरों की जांच कर रही मुंबई पुलिस को ऐसे मामलों में शामिल ''बड़ी मछली'' की पहचान करनी चाहिए और उन्हें नहीं छोड़ना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जीएस कुलकर्णी की पीठ ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका(बीएमसी) को भी निर्देश दिया कि वह अदालत को उन कदमों के बारे में सूचित करे, जो नगर निकाय ने एंटीबॉडी के लिये ऐसे शिविरों द्वारा ठगे गए लोगों और नकली टीके के कारण उनके स्वास्थ्य पर किसी भी प्रतिकूल प्रभाव की जांच करने के वास्ते प्रस्तावित किये हैं। अदालत कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण अभियान की नागरिकों तक पहुंच बढ़ाने पर कई जनहित याचिकाओं (पीआईएल) पर सुनवाई कर रही थी। राज्य के वकील, अधिवक्ता दीपक ठाकरे ने उच्च न्यायालय को बताया कि इस मामले में सात प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच अभी जारी है। बीएमसी के वकील, वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल सखारे ने अदालत को बताया कि आवास समितियों और कार्यालयों के लिए निजी कोविड-19 टीकाकरण शिविरों के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को बुधवार तक अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके बाद उच्च न्यायालय ने कहा कि अधिवक्ता ठाकरे को मामले में जांच अधिकारियों से कहना चाहिए कि वे ''घोटाले'' में शामिल पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को नहीं बख्शें। अदालत ने कहा, ''हो सकता है कि बड़ी मछली की पहचान की जानी बाकी हो। उनकी पहचान की जानी चाहिए और उन्हें बख्शा नहीं जाना चाहिए। पुलिस को कहा जाये कि जांच सही होनी चाहिए और किसी भी दोषी व्यक्ति को छूटने नहीं देना चाहिए।'' अदालत ने कहा कि बीएमसी को पीड़ितों की जांच करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों के बारे में अदालत को सूचित करना चाहिए। अदालत ने पूछा कि बीएमसी और राज्य के अधिकारी अब तक यह निर्धारित करने में असमर्थ क्यों हैं कि पीड़ितों को कोविड-19 रोधी टीके के नाम पर क्या लगाया गया है। उच्च न्यायालय ने कहा, ''यह राज्य की विफलता प्रतीत होती है। निगम जांच के बारे में क्यों नहीं सोचता? आप दुर्भाग्यपूर्ण लोगों के लिए क्या करने की सोच रहे हैं, आप हमें बृहस्पतिवार को बताएं।'' राज्य और बीएमसी ने इससे पहले उच्च न्यायालय को बताया था कि शहर भर में कुल 2,053 लोग फर्जी टीकाकरण शिविरों के शिकार हुए हैं। उच्च न्यायालय एक जुलाई को इन जनहित याचिकाओं पर सुनवाई जारी रखेगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)